● वर्ष-3
● अंक-170
रायपुर, शनिवार
24 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› व्हाइटहेड्स को दूर करने में ....

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सत्यमेव जयते

छत्तीसगढ़ शासन

विकसित भारत
विकसित छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 34,400 करोड़ रुपए की 10 परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास

दिनांक 24 फरवरी 2024, दोपहर 12:30 बजे

(डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण)

लोकार्पण एवं उद्घाटन

- 15,799 करोड़ रुपए की परियोजना लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्टेज-1 (2x800MW)
- 907 करोड़ रुपए की लागत से राजनांदगांव जिले के 9 गांवों के 451 एकड़ क्षेत्र में निर्मित 100 मेगावाट एसी/155 मेगावाट डीसी सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट
- 583 करोड़ रुपए लागत की 2 परियोजनाओं भिलाई में 50 मेगावाट सोलर पावर प्लांट और बिलासपुर- उसलापुर फ्लाईओवर
- रायगढ़ क्षेत्र में 217 करोड़ रुपए की लागत के ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत बरौंद कोल हैंडलिंग प्लांट
- दीपका क्षेत्र में 211 करोड़ रुपए की लागत की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत दीपका कोल हैंडलिंग प्लांट
- रायगढ़ क्षेत्र में 173 करोड़ रुपए की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत छाल कोल हैंडलिंग प्लांट
- अंबिकापुर से शिवनगर तक 52 किलोमीटर लंबाई की सड़क और बनारी से मसनियाकला तक 56 किलोमीटर लंबी सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग- 49)

शिलान्यास

- रायगढ़ में लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्टेज-2 (2x800MW) का शिलान्यास

छत्तीसगढ़ को परियोजनाओं से लाभ

- उच्च कार्यक्षमता के साथ कम कोयले में ज्यादा विद्युत उत्पादन, प्रदूषण में कमी के साथ विकसित होते भारत की ऊर्जा-माँग की पूर्ति
- अक्षय ऊर्जा का उपयोग कर बड़े सौर ऊर्जा प्लांट से शून्य प्रदूषण के साथ राज्य व देश की घरेलू विद्युत माँग की पूर्ति
- रेलवे फ्लाइओवर के निर्माण से अतितीव्र माल ढुलाई संभव जिससे जिंसों की क़ीमत में कमी
- ओपन कास्ट कोल हैंडलिंग प्लांट से शीघ्रता से कोयले का उत्पादन व ट्रांसपोर्ट संभव, बचेगा पैसा और ऊर्जा क्षेत्र को निर्बाध फ्यूल सप्लाई
- राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेंगे अब तक उपेक्षित स्थान, सड़क से आर्थिक उन्नति और विकास

NAMO app डाउनलोड करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

मुख्यमंत्री कार्यालय का व्हाट्सएप चैनल सब्सक्राइब करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

छत्तीसगढ़ के विकास को समर्पित डबल इंजन की सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

संवाद- 39797/128

छत्तीसगढ़ में गांवों तक पहुंचने अब तक नहीं बन पाई सड़क, रास्ते में बीताते हैं एक रात

राशन लेने 35 किलोमीटर पैदल जाते हैं आदिवासी

कांकेर। बस्तर के अबूझमाड़ के कई ऐसे गांव हैं, जहां आज तक कोई पहुंच मार्ग ही नहीं बना है। इसके चलते आज भी कई पंचायत में सरकारी राशन दुकान पंचायत में नहीं खोली जा सकी है। इसके चलते कांकेर और नारायणपुर जिले के आदिवासियों को पीडीएस का राशन लेने कई किलोमीटर पैदल सफर करना पड़ रहा है।

बता दें कि जिले में दर्जनों राशन की शासकीय दुकानें संचालित हैं। जिस पंचायत के लिए राशन दुकान स्वीकृत की गई है, उस पंचायत तक जाने के लिए कोई रास्ता ही नहीं बनाया गया है। हालांकि आदिवासियों ने चारपहिया वाहनों के आवागमन के लिए काम चलाऊ सड़क तैयार की है, जिससे वहां तक पीडीएस का राशन पहुंचाया जा सकता है।

ग्राम पंचायत पांगुर में साल 2019 में राशन रखने के लिए गोदाम बनकर तैयार किया गया है, लेकिन सड़क नहीं होने का हवाला देकर वहां तक राशन ही नहीं पहुंचाया जाता, जबकि पांगूर गांव के जंगल में बांस कटाई के लिए ट्रक पहुंच जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि छोटेबेठिया तक जाने के लिए करीब 35 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। यहां रहने वाले आदिवासी

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं। ऐसे में इन आदिवासियों को पैदल ही छोटेबेठिया जाना पड़ता है।

एक आदिवासी किसान ने बताया कि गांव वालों को 200 रुपए प्रति परिवार के हिसाब से चंदा देना पड़ता है तब कहीं छोटेबेठिया से राशन लाने के लिए ट्रैक्टर का जुगाड़ हो पाता है। ऐसे में इन आदिवासियों की मुश्किल भरी जिंदगी का अनुमान लगा सकते हैं। कोंगे पांगुर के अलावा भी ग्राम कोडोनार, बोरानिरपी, बियोनार, कोरसकोडो, सितरम, आलदंड, मुसपर्सी, गारपा, बिनागुंडा, हचेकोटी, आमाटोला जैसे दर्जनों गांव शामिल हैं, जहां के ग्रामीणों को राशन लेने 35 किमी पैदल जाना पड़ता है।

राशन लेने दो दिन पहले निकलते हैं घर से

अबूझमाड़ के आदिवासियों को कोयलीबेड़ा, ओरछा जैसी जगहों पर चावल लेने के लिए जाना पड़ता है। लोग महीने में एक बार साप्ताहिक बजार के दिन अपना राशन लेने आते हैं। आदिवासियों ने यह भी बताया कि लोग राशन के लिए दो दिन पहले घर से निकलते हैं। उसके बाद राशन लेने के बाद एक रात रास्ते में ही रुकते हैं। आदिवासी राशन लेने के लिए 30 से 50 किलोमीटर तक का सफर तय करते हैं।

बरसात के दिनों में होती है ज्यादा परेशानी

कोयलीबेडा ब्लॉक में कांकेर जिले के ग्रामपंचायत के आलवा भी नारायणपुर जिले की भी राशन दुकानें संचालित हो रही है। यहां बरसात के दिनों में तीन महीने तक दुकानें बंद भी रहती हैं, क्योंकि कई नदी उफान पर रहती है। इसके चलते लोग राशन लेने नहीं आ पाते हैं। सरकार भले ही लोगों को पीडीएस चावल की सुविधा मुहैया करा रही हो, लेकिन पीडीएस योजना का लाभ लेने से कई लोग वंचित भी हो रहे हैं, क्योंकि गांव में सरकारी राशन दुकान नहीं है और वे इतनी दूरी तय कर राशन लेने नहीं आ पाते हैं।

प्रशासन की पहल से दूर हो सकती है समस्या

राज्य के बीजेपी नेता अक्सर याद दिलाते रहते हैं कि छत्तीसगढ़ में हर जरूरतमंद को 1 रुपए किलो चावल देने की योजना भाजपा की सरकार में आई थी। भोजन का अधिकार भाजपा की सरकार ने दिया और इस ऐतिहासिक निर्णय ने प्रदेश से भुखमरी समाप्त करने की दिशा में काम किया। इस सच्चाई को स्वीकार किया जाना चाहिए, लेकिन यह भी सच है कि अंदरूनी इलाकों में रहने वाले अबूझमाड़ के आदिवासियों को राशन लेने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती है। यदि स्थानीय प्रशासन पहल करें तो उनकी ये समस्या कम हो जाएगी।

बलरामपुर में हाथियों आतंक डर से पांच स्कूल बंद

बलरामपुर। जिले के वाड्रफनगर फोरेस्ट रेंज में बीते कुछ दिनों से हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। यहां तीन हाथियों के दल बीते दस दिनों से क्षेत्र में लगातार उत्पात मचा रहे हैं। हाथी ग्रामीणों के घरों में तोड़-फोड़ कर रहे हैं। बीते गुरुवार की देर रात हाथियों ने ककनेशा ग्राम पंचायत में दो मकानों को तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया था। हाथियों के आतंक को देखते हुए शिक्षा विभाग ने यहां आसपास के पांच स्कूलों को बंद कर छुट्टी घोषित कर दिया है।

हाथियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए ककनेसा ग्राम पंचायत के आसपास के पांच स्कूलों को शिक्षा विभाग के द्वारा बंद कर दिया गया है और छुट्टियां घोषित कर दिया गया है। रिहायशी इलाकों में मुनादी कराकर लोगों को जंगल की तरफ नहीं जाने और अनावश्यक घरों से बाहर नहीं निकलने के लिए अलर्ट किया जा रहा है।

जिला शिक्षा अधिकारी वीके राय ने कहा हाथियों के दल के आने की सूचना मिली थी, उसके आधार पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी को पांच स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया गया था। मिडिल स्कूल और प्राइमरी स्कूलों को बंद किया गया है। हाथियों के दल का प्रतिदिन मूवमेंट पता चलता है। उस आधार पर हम बतौर सावधानी स्कूलों को स्थगित करते हैं।

वाड्रफनगर फोरेस्ट रेंज में तीन हाथियों के दल ने बीते दस दिनों से डेरा डाला हुआ है दिन के समय जंगलों में रहते हैं जबकि रात के दौरान गांव में अचानक पहुंच जा रहे हैं और ग्रामीणों के घरों को तोड़-फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर रहे हैं।

हाथियों के लगातार गांव की बस्तियों में पहुंचने और उत्पात मचाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है हाथियों के डर से ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर हैं। वन विभाग और शासन-प्रशासन के पास फिलहाल हाथियों की समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस पहल नहीं होने से वन्यजीव और इंसानों के बीच संघर्ष की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

सिरपुर महोत्सव का आगाज आज से, पहली बार होगा गंगा आरती

महासमुंद। तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव का आगाज 24 फरवरी को शाम 06:00 बजे होगा एवं समापन 26 फरवरी को होगा। महोत्सव के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय होंगे। समारोह की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल करेंगे। जबकि अति विशिष्ट अतिथि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल एवं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री चुन्नीलाल साहू होंगे।

इस दौरान शुभारम्भ एवं समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, विधायक बसना श्री सम्पत अग्रवाल, विधायक खल्लारी श्री द्वारिकाधीश यादव, विधायक सरायपाली श्रीमती चातुरी नंद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल, पूर्व विधायक बसना श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, पूर्व राज्य मंत्री श्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री लक्ष्मण पटेल, जिला पंचायत सदस्य श्री अमर चंद्राकर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री यतेन्द्र साहू, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती त्रिलोकी ध्रुव, जनपद सदस्य श्री अजय मंगल ध्रुव, सिरपुर सरपंच श्री ललित ध्रुव सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक की गरिमामय उपस्थित में सम्पन्न होगी।

उल्लेखनीय है कि सिरपुर में पहली बार श्री गंधेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट समिति एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आवश्यक तैयारी की जा रही है। स्नान के लिए कुण्ड भी बनाया जा रहा है। गंगा आरती शाम 06:30 बजे से 7 बजे तक होगा। आरती में स्थानीय ग्रामीणों के अलावा मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को शामिल होने का आग्रह किया गया है।

अटल आवास बना झाड़ फूंक का अड्डा टोनही अधिनियम के तहत कार्रवाई

बिलासपुर। तोरवा थाना क्षेत्र में विशेष समुदाय के आवास से बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों और पुरुषों के संदिग्ध फोटो की बरामदगी हुई थी।जिस पर पुलिस ने अपडेट जारी किया है। पुलिस ने इस मामले में जो जांच की है उसमें पता चला कि घर का स्वरूप बदलकर झाड़ फूंक की जा रही थी। लोगों में अंधविश्वास फैलाने का काम किया जा रहा था। जिसके बाद पुलिस ने टोनही प्रताड़ना के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस के मुताबिक देवरी खुर्द क्षेत्र में विशेष समुदाय का व्यक्ति झाड़ फूंक का काम करता था। झाड़ फूंक की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल हुईं। हिंदू संगठनों ने झाड़ फूंक को लेकर आपत्ति जताई थी।जिस पर पुलिस ने कार्रवाई की और शिकायत दर्ज की। इस मामले में जो तथ्य सामने आए, उसमें सादिक रजा कादिर नाम का व्यक्ति अपने घर पर झाड़ फूंक करता था। सादिक के आवास से बड़ी संख्या में महिलाओं, युवतियों और पुरुषों के संदिग्ध फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुए थे। जिसमें कई संदेहास्पद निशान लगे थे। शिकायत के बाद सादिक रजा को हिरासत में लिया गया।

सिटी कोतवाली सीएसपी पूजा कुमारी ने कहा देवरीखुर्द अटल आवास में अवैध गतिविधियों की शिकायत पुलिस को मिली है। प्राथमिक जांच में पाया गया है कि आवंटित घर का स्वरूप बदलकर, उसमें झाड़ फूंक किया जा रहा था ।लोगो में अंधविश्वास फैलाया जा रहा था। इसी क्रम में एक प्रार्थी सामने आया। जिसने एक लिखित शिकायत तोरवा थाना में दी। उसने बताया कि भूत प्रेत का साया बोलकर उसे गुमराह किया गया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने टोनही अधिनियम तहत शिकायत दर्ज की है।

बताया ये भी जा रहा है कि विशेष समुदाय के लोग आवास में झाड़ फूंक का काम करते थे। लेकिन तस्वीरों के सामने आने के बाद हिंदू संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई ।जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सादिक रजा को हिरासत में लिया। जो तस्वीरें उसके घर से बरामद हुई है,उसमें निशान लगाने का कारण भी सादिक से पूछा जाएगा ।लेकिन जिस तरह से सरकारी आवास के अंदर अवैध निर्माण करके झाड़ फूंक का काम किया जा रहा था, वो कई सवाल खड़े कर रहा है। जिसकी जांच में पुलिस जुटी है।

ऑटो में चालक भर रहे मनमानी सवारी, कब टूटेगी प्रशासन की नींद

जगदलपुर। ऑटो चालकों के द्वारा कुछ पैसे ज्यादा के चक्कर में लगातार क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाकर हादसों को दावत देते हैं। जिसमें सामने के साथ ही पीछे के डाली में भी सवारीको बैठा लेते हैं। बड़े और बच्चे सभी शामिल हैं। जिससे कई बार बड़े हादसे भी हुए हैं। नतीजा कार्रवाई होने के बाद भी इन ऑटो चालकों के ऊपर किसी भी प्रकार से प्रशासन का कोई डर दिखाई नही दे रहा है। अभी कुछ दिन पहले ही यातायात पुलिस के द्वारा सड़क सुरक्षा माह का समापन किया गया। जिसमें ऑटो चालकों से लेकर दुपहिया, कार चालक, बस चालक, ट्रक चालक आदि को समझाने के साथ ही यातायात नियमों का पालन करने की बात भी कही। समय-समय पर यातायात पुलिस इन क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाने वाले ऑटो चालकों के ऊपर कार्रवाई भी कर चुकी है। लेकिन इन ऑटो चालकों की लापरवाही के चलते ऑटो में बैठे लोग अपने आप को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बात दें कि अभी कुछ दिन पहले की गीदम रोड में एक तेज रफ्तार ऑटो चालक व मेडिकल कॉलेज के छात्र के बीच टक्कर हो गई थी। इस हादसे में ऑटो पलट गया, जिससे वाहन में बैठे नौ लोगों को चोट आने के कारण उन्हें यातायात पुलिस के द्वारा ही अपनी पैट्रोलिंग वाहन में बैठाकर उन्हें मेकाज में भर्ती किया गया था। वहीं बस्तर जिले से लगे ओड़िसा की भी बात करे तो 26 जनवरी को एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक तेज रफ्तार स्कार्पियो ने ऑटो समेत बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया था। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि ऑटो में सवार 15 यात्रियों में पांच से छह लोगों की मौत हो गई थी। इसके अलावा मेडिकल कालेज के आगे मारेंगा के पास भी एक ऑटो चालक और बड़े वाहन से टक्कर हो गई थी, जिसमें ऑटो चालक की मौत हो गई थी।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बेलगाम ईंट भट्टा वाले नदी को भी नहीं बख्श रहे

सक्ती। सक्ती जिले में लाल ईंट का काला कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। खनिज विभाग की नाकामी की वजह से कारोबारी नदी तक को नहीं बख्श रहे हैं। पहले केवल नदी से रेत निकाला करते थे, अब नदी किनारे की मिट्टी की खुदाई कर जन-जीवन के साथ-साथ पर्यावरण के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। बता दें कि जिले की सिरली, हरदी और मंद्राघोड़ी क्षेत्र में दर्जन भर से ज्यादा ईंट भट्टे संचालित हो रहे हैं, जहां हर साल करीबन 50 लाख से ज्यादा ईंट बनाई जाती है। एक तरफ जहां इन अवैध ईंट भट्टों से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है, वहीं इससे शासन को भी भारी-भरकम नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन ईंट भट्टा संचालकों ने नदी को नुकसान पहुंचाने के साथ करोड़ों रुपए की लागत से बने पुल को भी भारी-भरकम वाहनों के परिवहन से क्षतिग्रस्त कर दिया है। सक्ती के खनि अधिकारी केके बंजारे ने बताया कि जिले में केवल 2 चिमनी ईंट भट्टे को लाइसेंस जारी किया गया है, जिसमें एक सक्ती और एक जैजैपुर में है। इसके अलावा जिले में संचालित तमाम ईंट भट्टे अवैध हैं।

नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की हत्या, मुखबिरी का आरोप

जगदलपुर। सुकमा जिले के चिंतागुफा थाना क्षेत्र के ग्राम दुल्लेड में रहने वाले दो ग्रामीणों की नक्सलियों ने पुलिस मुखबीरी का आरोप लगाते हुए देर रात हत्या कर दी। साथ ही नक्सलियों ने एक पर्चा भी जारी किया है। जिसमें नक्सलियों ने पुलिस के द्वारा खोले जा रहे कैंप का विरोध किया है। बताया जा रहा है कि 23 फरवरी की रात को नक्सलियों ने थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत दुल्लेड़ गांव के रहने वाले दो आम नागरिकों की हत्या कर दी थी। मृतकों में सोड़ी हूंगा व माड़वी नंदा ग्राम कहेर दुल्लेड़ गांव के निवासी है। नक्सली शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं और विकास की धारा को आम नागरिकों तक पहुंचना नहीं देना चाह रहे है। जिसके चलते ग्रामीणों में डर बनाने के लिए निर्दोष ग्रामीणों की हत्या कर रहे है। नक्सली जनाधार को खत्म होता देख आम नागरिकों की हत्या कर क्षेत्र में दबाव बनाने का काम कर रहे हैं। पुलिस ने शव बरामद करने के साथ ही आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आयुष्मान भारत योजना से हटी मैटरनिटी फैसिलिटी

कोरबा। आयुष्मान भारत योजना से गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी और इलाज को बाहर किया गया है। लिहाजा अब सरकारी अस्पताल में डिलीवरी के केस बढ़ने लगे हैं। सरकारी अस्पतालों में प्रसूति वार्ड के अंदर बेड्स की संख्या दोगुनी करनी पड़ी है।मेडिकल कॉलेज अस्पताल कोरबा में बेड्स की संख्या बढ़ाई गई है। पहले अस्पताल के प्रसूति वार्ड में 45 बेड से काम चलता था। लेकिन अब बेड्स की संख्या 110 की गई है। प्रसूति कक्ष में लगे स्टोर को खाली करने के बाद यहां अतिरिक्त बेड लगाए गए हैं। जिसके बाद अस्पताल में आने वाले डिलीवरी केसेस का निपटारा किया जाता है। प्रसव के लिए निजी अस्पताल जाने पर यदि सामान्य डिलीवरी हो गई तब भी मरीज से 30 हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक वसूले जाते हैं। यदि सिजेरियन ऑपरेशन हुआ तो खर्च एक लाख को भी पार कर जाता है। पहले आयुष्मान भारत योजना के तहत निजी अस्पताल में इलाज का पूरा खर्च बच जाता था। हालांकि निजी अस्पताल प्राइवेट कमरा देने का शुल्क अलग से वसूलते थे।

मदिरा दुकान संचालन के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित

मनेंद्रगढ़। देशी (कम्पोजिट) मदिरा दुकान

मनेन्द्रगढ़ के संचालान हेतु दुकान किराये में लेने हेतु मुहरबंद निविदाएं 22 फरवरी 2024 से आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र कार्यालय जिला अधिकारी, कलेक्टोरेट भवन, जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर छ.ग. से 500 रूपये नगद भुगतान कर 8 मार्च 2024 तक कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते है। निविदा बिक्रि की अंतिम तिथि 8 मार्च 2024 समय 4 बजे, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 15 फरवरी 2024 समय 2 बजे, निविदा खोलने की तिथि 15 मार्च 2024 समय 4 बजे निविदा खोलने का स्थान कलेक्टोरेट सभाकक्ष जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) है।

दीपका कोयला खदान में हादसा, परिजनों का हंगामा

कोरबा। कोरबा में एसईसीएल की दीपका कोयला खदान में बड़ा हादसा हो गया। जहां साइकिल में कोयला चोरी करने पांच लोग गए हुए थे कोयला निकलते समय पांचों दब गए। घटना उस समय हुई जब मिट्टी धसक कर उनके ऊपर आ गिरी। कोरबा में एसईसीएल की दीपका कोयला खदान में हुए हादसे में घायल चौथे शख्स की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में अब तक चार लोगों की मौत हुई है। 18 वर्षीय प्रदीप पोर्ते, 23 वर्षीय शत्रुघ्न कश्यप, 17 वर्षीय लक्ष्मण ओढ़े की मौत हुई है जबकि अमित सरोता का उपचार जारी है। इससे पहले एसईसीएल की दीपका कोयला खदान में हुए हादसे के बाद रेस्क्यू कर मलबे में दबे दो युवकों को बाहर निकाला गया। मृतक 18 वर्षीय प्रदीप पोर्ते और 23 वर्षीय शत्रुघ्न कश्यप की लाश मिली थी। ग्रामीण सगाई सिंगर मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया है। ग्रामीणों की मांग है कि मृतक के परिवार का मुआवजा और पुलिस के साथ में झड़प के बाद घायल हुई महिलाओं का इलाज कराया जाए।

चंद्रगिरी पर्वत पर जैन मुनि विद्यासागर जी महाराज की विनयांजलि सभा

■ **आचार्य समय सागर रहेंगे मौजूद**

राजनांदगांव। जैन धर्म के मुनि विद्यासागर जी महाराज का 18 फरवरी को निधन हुआ। उन्होंने विधिवत सल्लेखना धारण की उसके बाद विद्यासागर जी महाराज का चंद्रगिरी पर्वत पर अंतिम संस्कार किया गया। 25 फरवरी से डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी पर्वत पर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के सम्मान में विनयांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। विनयांजलि के लिए चंद्रगिरी तीर्थ पर्वत पर तैयारियां की जा रही है।

25 फरवरी को आचार्य मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज की विनयांजलि सभा आयोजित की गई है। इस विशेष आयोजन में जैन मुनि आचार्य श्री समय सागर जी महाराज मौजूद रहेंगे। जैन धर्म के कई उपासक और गुरु भी इस विनयांजलि सभा का हिस्सा बनेंगे। हजारों की संख्या में जैन धर्म के उपासक और श्रद्धालु दूर दूर से चंद्रगिरी तीर्थ में पहुंच रहे हैं और विद्यासागर जी महाराज के अस्थि कलश और समाधि

स्थल का दर्शन कर रहे हैं। 25 फरवरी को दोपहर 1।30 बजे से विनयांजलि सभा शुरू होगी। इस सभा में आचार्य विद्यासागर जी महाराज को याद किया जाएगा और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

आचार्य मुनि श्री विद्यासागर जी महाराज के उत्ताराधिकारी के तौर पर जैन मुनि श्री समय सागर जी महाराज इस सभा में रहेंगे। समय सागर महाराज ने डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी पर्वत पर पहुंचकर आचार्य विद्यासागर जी महाराज को नमन किया और उनके अस्थि कलश के दर्शन किए। उसके बाद से लगातार कई जैन मुनि डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी पर्वत पर पहुंच रहे हैं।

कई देशों सें चंद्रगिरी पर्वत पर जैन धर्म के अनुयायी पहुंच रहे हैं और विद्यासागर जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। भारत के अलग अलग हिस्सों से भी जैन धर्म को मानने वाले लोग पहुंच रहे हैं और विद्यासागर जी महाराज को नमन कर रहे हैं। डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी पर्वत पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। तीर्थ यात्रियों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं जो 25 फरवरी से यहां मौजूद रहेंगे।

आपदा से निपटने के लिए लोगों को करें जागरूक

■ **कलेक्टर ने दिए आदेश, सभी विभागों की महत्वपूर्ण भूमिका**

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। जिले के कलेक्ट्रेट में अरपा सभाकक्ष में आपदाओं से निपटने के लिए टेबल टॉक का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के द्वारा आपदाओं के दौरान राहत और बचाव कार्यों में इस्तेमाल होने वाली तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई।

राहत और बचाव कार्यों के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों और योजनाबद्ध तरीके से राहत कार्यों को अंजाम देने के संबंध में बताया गया। कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया ने कहा कि आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ टीम के साथ सभी विभागों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

इस टेबल टॉक में विभागीय अधिकारी उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों को बारीकी से समझा। आपदा कभी भी बताकर नहीं आती, इसलिए इसकी तैयारी पहले से ही होना चाहिए। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों और समुदायों के बीच विभिन्न प्रकार के आपदाओं से निपटने जनजागरूकता बढ़ाने

पर जोर दिया।

कलेक्टर प्रियंका ऋषि महोबिया ने एनडीआरएफ टीम के द्वारा किए जाने वाले मॉक अभ्यास के संबध में भी जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को मॉक अभ्यास हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डिप्टी कमांडेंट कन्हैया योगी ने बताया कि एनडीआरएफ टीम द्वारा आज सुबह 8 बजे से मलेनिया डैम में आपदा मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। यह अभ्यास एक वास्तविक आपदा स्थिति की नकल करने और आपातकालीन सेवाओं व समुदाय साथियों की तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया। इसका उद्देश्य आपातकालीन सेवाओं, सरकारी एजेंसियों और समुदाय संगठनों के बीच समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देना है।

● वर्ष-3
● अंक-170
रायपुर, शनिवार 24 फरवरी 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› व्हाइटहेड्स को दूर करने में ....

विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम को आज प्रधानमंत्री करेंगे संबोधित

■ 34400 करोड़ के प्रोजेक्ट का करेंगे शुभारंभ

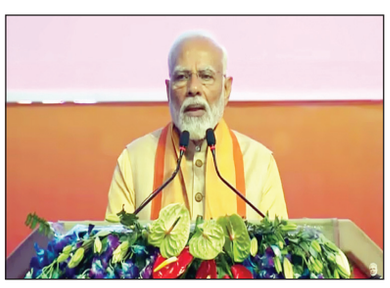

रायपुर। शनिवार, 24 फरवरी 2024 को विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। इस दौरान 34,400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। यह परियोजनाएं सड़क, रेलवे, कोयला, बिजली और सौर ऊर्जा सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संबंधित हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बयान जारी कर बताया है कि पीएम मोदी 24 फरवरी को नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन के लारा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, चरण- फर्स्ट (2×800 मेगावाट) का उद्घाटन करेंगे। साथ ही रायगढ़ में परियोजना के चरण- सेकंड (2×800 मेगावाट) की आधारशिला भी पीएम मोदी रखेंगे। जहां स्टेशन के स्टेज-फर्स्ट को लगभग 15,800 करोड़ रुपये के निवेश से बनाया गया है, वहीं स्टेज-सेकंड को 15,530 करोड़ रुपये के निवेश से बनाया गया है। हाइली इफिशिएंट सुपर क्रिटिकल तकनीक (चरण- फर्स्ट के लिए) और अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल तकनीक (चरण- सेकंड के लिए) से सुसज्जित परियोजना की खासियत यह है कि लेसर स्पेसिफिक स्पेशल कोयला खपत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करेगी।चरण-फर्स्ट और सेकंड दोनों से 50 प्रतिशत बिजली छत्तीसगढ़ को आवंटित की जाती है। यह परियोजना कई अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों जैसे गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, दमन और दीव, दादरा और नगर हवेली में पावर सेनेरियो को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पीएम मोदी वह कई अन्य परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। जिसके तहत 600 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत से बने दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड की तीन प्रमुख फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस में नाराजगी का दौर, फ़र्रुख़ाबाद सीट को लेकर छलका सलमान खुर्शीद का दद

नई दिल्ली। आगामी संसदीय चुनावों के लिए इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर सहमति बनने के बाद अब कांग्रेस के अंदर ही दरार शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और सपा के बीच सीटों का बंटवारा पूरा हो चुका है और आम आदमी पार्टी के साथ भी सीटों का बंटवारा तय हो गया है। 2024 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस और सपा मिलकर लड़ेंगी। सीट बंटवारे में यूपी की 80 में से 63 सीटों पर एसपी और 17 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। फ़र्रुख़ाबाद सीट कांग्रेस कोटे में नहीं आया है। यही कारण है कि पार्टी के परिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने अपना दर्द वयक्त किया है। सलमान खुर्शीद ने कहा कि फ़र्रुख़ाबाद से मेरे रिश्तों के कितने इम्तहान का सामना करना पड़ेगा? सवाल मेरा नहीं पर हमारे सब के मुस्तक़ाबिल का है, आने वाली नस्लों का है। क़िस्मत के फ़ैसलों के सामने कभी झुका नहीं। टूट सकता हूँ, झुकूंगा नहीं। तुम साथ देने का वादा करो, मैं नगमे सुनाता रहूँ। वहीं, आगामी संसदीय चुनावों के लिए सीट बंटवारे के समझौते में कांग्रेस द्वारा गुजरात की भरूच लोकसभा सीट आम आदमी पार्टी (आप) को देने की चर्चा के बीच, पार्टी नेता और दिग्गज पार्टी नेता दिवंगत अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि यह सीट उन्हें मिलेगी।

नानी को ननिहाल का हाल सुना रहे हैं मोदीः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। दोनों नेताओं के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। पेपर लीक को लेकर राहुल ने मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि लखनऊ से लेकर प्रयागराज तक पुलिस भर्ती पेपर लीक को लेकर युवा सड़कों पर हैं। और वहां से मात्र 100 किमी दूर वाराणसी में प्रधानमंत्री युवाओं के नाम पर युवाओं को ही बरगला रहे हैं। ठेठ बनारसी अंदाज में कहें तो मोदी जी 'नानी को ननिहाल का हाल सुना रहे हैं'।

3 आयरन स्टील व्यवसायियों के यहां पकड़ी गई जीएसटी चोरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जीएसटी के प्रवर्तक विंग ने गुरूवार को बड़ी कार्रवाई की। रायपुर के तीन आयरन स्टील उत्पाद निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिसके प्रारंभिक जांच में पाया गया कि इन तीन आयरन स्टील उत्पाद निर्माताओं ने 6.75 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी की गई है। आगे की कार्रवाई में यह राशि और बढ़ने की संभावना है।

प्रवर्तक विंग ने श्याम स्टील इंडस्ट्रीज़, ईश्वर इस्पात और ईश्वर टीएमटी के यहां छापा मारा है। प्रवर्तक विंग ने उरला सिलतरा क्षेत्र में स्थित फैक्ट्रियों में जांच की गई। पहली जांच में पाया गया कि तीन आयरन स्टील उत्पाद निर्माताओं ने जीएसटी चोरी की है। इन फार्मों की ओर से मौके पर ही अधिकारियों के समक्ष 4.75 करोड़ रुपये जीएसटी जमा किया गया। इन फर्मो में कच्चा स्क्रैप खरीद कर सरिया बनाया जा रहा था और जीएसटी की चोरी की जा रही थी।

छत्तीसगढ़ जीएसटी की प्रवर्तन विंग बहुत सक्रिय है। टीम स्क्रैप से जीएसटी चोरी पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। जिसमें विभाग की ओर से एडवांस आईटी टूल्स का प्रयोग किया जा रहा है। साथ ही नई तकनीकों का प्रयोग कर ईवे बिल की जांच से प्राप्त सूचनाओं, फील्ड से एकत्र की जा रही सूचनाओं के आधार पर भी कार्रवाई की जा रही है।

बैगा आदिवासियों की मौत पर सदन गरमाया

कांग्रेस ने किया सदन का बहिष्कार

रायपुर। बैगा आदिवासियों के मौत के मामले में कांग्रेस ने आज दिनभर विधानसभा की कार्यवाही का बहिष्कार किया। नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरणदास महंत ने जहां सरकार पर मामले को दबाने का आरोप लगाया। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने न्यायिक जांच की मांग की। छत्तीसगढ़ विधानसभा में शुक्रवार को बैगा आदिवासियों की मौत के मामले में विपक्षी सदस्यों ने काम रोको प्रस्ताव लाकर चर्चा की मांग की। गर्भगृह में जाकर नारेबाजी करते हुए तख्ती दिखाते हुए धरने पर बैठे। निलंबन के बाद भी कांग्रेस विधायक काफी देर तक गर्भगृह में नारेबाजी करते रहे। पोस्टर लेकर सदन से बाहर निकलने के बाद कांग्रेस विधायकों ने गांधी प्रतिमा के सामने धरना देते हुए प्रदर्शन किया। इसके साथ ही बैगा आदिवासियों की मौत के मामले में आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की। मामले में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि सरकार हत्या को आत्महत्या साबित करने में लगी है। इस मामले को दबाने का

प्रयास किया गया। हमने सदन में स्थगन प्रस्ताव लाया, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। मंत्रियों के क्षेत्र में आदिवासियों की हत्या हो रही है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस ने एक टीम गठित की है। राजनीतिक दबाव के चलते इस घटनाक्रम को दबाया गया। इस घटना के पीछे बड़ा षड्यंत्र है। इस मामले की न्यायिक जांच होनी चाहिए।

कांग्रेस ने उठाया मुद्दा

कवर्धा जिले के पंडरिया विधानसभा के कुकदुर ब्लॉक के नागाडबरा के तीन बैगा आदिवासियों के मौत का मामला विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों ने उठाया है। इस दौरान पूर्व सीएम भूपेश बघेल, विधायक अनिला भेड़िया, विक्रम मंडावी, देवेंद्र यादव, सावित्री मंडावी ने बैगा जनजाति के तीन लोगों की मौत पर स्थगन प्रस्ताव लाया। कांग्रेस ने स्थगन प्रस्ताव देकर चर्चा की मांग की है। बता दें कि बैगा जनजाति के तीन लोगों की मौत पर काम रोको प्रस्ताव के जरिए चर्चा की मांग को लेकर सदन में हंगामा हुआ। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि पुलिस की जांच में बैगा जनजाति के तीनों लोगों की हत्या का खुलासा हुआ है। एक नाबालिग सहित कुल तीन की हत्या हुई थी। पंडरिया के नागा डबरा में डेढ़ माह पूर्व तीन लोगों की मौत हुई थी।

1 नवंबर को समर्पित होगा छग विजन@2047: ओपी

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी के विभागों से संबंधित अनुदान मांगे आज विधानसभा में चर्चा के बाद सर्मसम्मति से पारित कर दी गई। इसमें वित्त विभाग के अंतर्गत 7 हजार 956 करोड़ 87 लाख 39 हजार रूपए, आवास एवं पर्यावरण विभाग से संबंधित 1 हजार 174 करोड़ 3 लाख 90 हजार रूपए तथा योजना,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग से संबंधित 428 करोड़ 71 लाख 44 हजार रूपए की अनुदान मांगे शामिल हैं। अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान विधानसभा सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र की मांगे रखीं और अपने सुझाव भी दिए।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जिस रणनीति के तहत भारत की अर्थव्यवस्था के लिए काम कर रहे हैं, वैसा ही प्रयास नवोदित राज्य छत्तीसगढ़ के लिए भी किया जा रहा है और ये बड़े सौभाग्य की बात है कि हम वर्ष 2047 तक भारत के साथ ही छत्तीसगढ़ को भी विकसित करेंगे। छत्तीसगढ़ 2047 तक कैसे विकासशील राज्य से विकसित राज्य बनेगा इसका विजन डाक्यूमेंट तैयार किया जाएगा जिसे छत्तीसगढ़ में राज्य स्थापना के दिन 1 नवंबर 2024 को जनता को समर्पित किया जाएगा जिसना नाम अमृतकाल: छत्तीसगढ़ विज 2047 होगा। श्री ओपी चौधरी ने कहा कि मिडटर्म टारगेट के दौर पर मोदी जी की गारंटी में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से छलांग लगाकर 10 साल के भीतर 5वें स्थान पर पहुंची है और इसी मिडटर्म टारगेट के तौर पर हमने अगले पांच साल में छत्तीसगढ़ की जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रूपए करने का लक्ष्य रखा है। श्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य में हम तकनीक के प्रयोग को अत्यधिक महत्व देंगे और इसी वजह से टेक्नोलाजिकटल इंटरवेंशन के लिए 266 करोड़ रूपए का बजटीय प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की

व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए जहां भी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा सकता है हम उसे महत्व दे रहे हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की जो हमारी रणनीति है उसका मूल आधार तकनीकी रिफॉर्म और इनोवेशन ही है।हम प्रदूषण के मानकों को भी बेहतर करने के लिए तकनीक के इस्तेमाल में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के अर्थव्यवस्था के नीतियों के निर्धारण के लिए छत्तीसगढ़ एडवायडरी काउंसिल के गठन का भी निर्णय लिया गया है। श्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य में गहरे अध्ययन के बाद हम जीएसटी में बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिसका प्रभाव अगले एक वर्ष में दिख जाएगा।

भाजपा सांसद संतोष पाण्डेय को उठा लेने की धमकी

■ पाकिस्तान वाले कोड से आया वाट्सअप कॉल

राजनांदगांव। बीजेपी सांसद संतोष पाण्डेय को फोन पर धमकी दी गई है।वर्चुअल फोन नंबर से किए गए इस कॉल को सांसद के बेटे ने रिसीव किया।जो सांसद की पत्नी रेखा पाण्डेय के मोबाइल पर आया था।इस फोन को जब उनके बेटे अंकित ने रिसीव किया,तो उसके होश उड़ गए।क्योंकि सामने वाले शख्स ने दो दिनों के अंदर सांसद संतोष पाण्डेय को उठा लेने की धमकी दी है।

22 फरवरी को एसपी अभिषेक पल्लव को सांसद ने लिखित शिकायत दीहै।जिसमें सांसद संतोष पाण्डेय ने लिखा कि उनकी पत्नी रेखा पाण्डेय के फोन पर अज्ञात नंबर +92 3406113011 से वाट्सएप कॉल आया था। कॉल उनके छोटे बेटे अंकित ने रिसीव किया। फोन पर सामने वाले शख्स ने कहा कि तुम सांसद के बेटे हो ना। तुम्हरे पिता को बता देना। उन्हें दो दिन में उठा लिया जाएगा। जब बेटे ने पूछा कि क्या तुम मेरे पिता को जानते हो।तो अज्ञात शख्स ने कहा कि तुम सांसद संतोष पाण्डेय के बेटे हो।इतना कहकर फोन काट दिया गया। सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा पत्नी के फोन पर व्हाट्सएप कॉलिंग के माध्यम से कॉल आया। मेरे बेटे ने फोन उठाया जिसमें दो दिनों के अंदर मुझे उठा लेने की धमकी दी गई है।पीए ने जब नंबर चेक किया तो वो पाकिस्तान का लग रहा था।मैंने इस मामले की शिकायत पुलिस से की है। वहीं सांसद संतोष पाण्डेय की शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसपी की माने तो धमकी भरे कॉल को देखकर सांसद के घर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कवर्धा एसपी अभिषेक पल्लव ने कहा सांसद संतोष पाण्डेय को उनके पत्नी के मोबाइल पर मिले धमकी के मामले में सीटी कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच के लिए अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है। सांसद संतोष पाण्डेय के घर पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। सांसद को 4+ सुरक्षा मिली है। वनांचल या नक्सली क्षेत्र जाते हैं तो उनको अतिरिक्त सुरक्षा मिलेगी। सांसद संतोष पाण्डेय ने कुछ साल पहले भी एसपी से लिखित शिकायत की थी। जिसमें ये कहा गया था कि नक्सलियों ने जो पर्चा फेंका है,उसमें गाली गलौच के साथ सांसद को देख लेने की धमकी दी गई है। ये घटना बोड़ला थाना क्षेत्र में हुई थी। लेकिन जब पुलिस ने जांच की तो सांसद से संबंधित किसी भी तरह के तथ्य नहीं मिले।लेकिन अब देखना ये होगा कि क्या इस बार धमकी भरे कॉल के बाद पुलिस क्या एक्शन लेती है।

दामाखेड़ा का नाम अब होगा कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के दामाखेड़ा में माघपूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले सद्गुरू कबीर संत समागम समारोह में शामिल हुए। धर्म गुरू पंथश्री प्रकाश मुनि नाम साहेब ने मुख्यमंत्री के रूप में पहली दफा दामाखेड़ा आगमन पर श्री साय का कबीरपंथी समाज की ओर से आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस मौके पर दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा करने की घोषणा की। उन्होंने पूर्व में स्वीकृत 22 करोड़ रूपये से अधिक लागत से बनने वाले कबीर सागर के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री साय ने कहा कि दामाखेड़ा के 10 किलोमीटर की परिधि में कोई भी नया औद्योगिक प्रतिष्ठान शुरू न हो इसके लिए विचार किया जाएगा। समारोह में मुख्यमंत्री साय ने पंथश्री हुजूर प्रकाश मुनि नाम साहेब से छत्तीसगढ़ की तरक्की और खुशहाली के लिए आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल, सांसद सुनील सोनी, भाटापारा विधायक इंद्र कुमार साव, लुण्ड्रा विधायक प्रमोद मिंज, भाटापारा पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने भी दर्शन कर गुरू से आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश का मुख्यमंत्री का दायित्व मुझे मिला है इस दायित्व से जनता की सेवा और प्रदेश के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा। आप सभी के विश्वास और सहयोग से प्रदेश में विकास की गंगा बहाएंगे। उन्होंने ने कहा कि बचपन से ही मेरा जुड़ाव कबीर पंथ से रहा है और चौका आरती में शामिल होते रहा हूं। मेरे गृह ग्राम बगिया में कबीर पंथ के मुनियों का पदार्पण हुआ है जो मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

कांग्रेस के लिए ममता ने खोले बंद दरवाजे!

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे की बातचीत पटरी पर आ गई है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। इतना ही नहीं, अगर दोनों पार्टियों के बीच बात बनी तो 1 और 2 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पश्चिम बंगाल दौरे से पहले कोई घोषणा हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम 6 मार्च को एक बार फिर बंगाल में होंगे जब वह बारासात का दौरा करेंगे। खबरों के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस मेघालय में एक सीट और असम में दो सीटों की मांग कर रही है। जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी ने कांग्रेस को पश्चिम बंगाल की 42 में से 5 सीट देने की पेशकश की है। यह टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की घोषणा के करीब एक महीने बाद आया है कि उनकी पार्टी राज्य में आगामी लोकसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के लिए सीट बंटवारे की रणनीति पर भी फैसला किया। कांग्रेस 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शेष 63 सीटों पर समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक के अन्य गठबंधन सहयोगी चुनाव लड़ेंगे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, गरियाबंद, छत्तीसगढ़

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सूचना क्रमांक 14/व.ले.लि./का.अ./ लो.स्वा.यां. /2023-24 गरियाबंद दिनांक 15.02.2024, (जी क्रमांक 07872/दि. 18-02-2024) अनुमानित लागत 13.30 लाख एवं अमानत राशि 9975.00 के स्थान पर अनुमानित लागत 10.26 लाख एवं अमानत राशि 7700.00 होगी। निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
गरियाबंद (छ.ग.)

जी- 07997/4

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
Phone No.- 07749-222370, Email Id-ee-res.balod@gov.in

(Zonal Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक/52/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2023-24 **बालोद, दिनांक- 21.02.2024**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा **(Zonal Tender) हेतु जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) बालोद /गुरूर/डौण्डी/गुण्डरदेही डौण्डीलोहारा ग्रुप (अ, ब, स, द एवं ई) निविदा हेतु** प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 एवं नलकूप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 11.03.2024 को अपरान्ह 5.30 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त निविदाओं को दिनांक 12.03.2024 को 11.30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी:-

(1) निविदा राशि रू. 20.00 लाख प्रत्येक ग्रुप
(2) अमानत राशि रू. 20000.00 प्रत्येक ग्रुप
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रु. 750.00 प्रत्येक ग्रुप

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://res.cg.gov.in/ अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 21.02.2024 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

जी-07996/5

राजिम कुंभ मेला आज से, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने किया निरीक्षण

गरियाबंद। देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाला राजिम कुंभ कल्प इस वर्ष 24 फरवरी माघ पूर्णिमा से आठ मार्च महाशिवरात्रि तक आयोजित होगा। राज्य शासन ने इसे राजिम कुंभ कल्प का नाम दिया है। इस वर्ष राजिम कुंभ कल्प को रामोत्सव के रूप में मनाया जायेगा।

इसके लिए राजिम त्रिवेणी संगम में भव्य तैयारियां की जा रही है। राजिम कुंभ कल्प की तैयारियों को लेकर धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विगत देर रात्रि मेला स्थल का निरीक्षण किया।

उन्होंने मेला स्थल में मुख्य मंच, स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति के लिए सहायक सांस्कृतिक मंच, गंगा आरती स्थल, साधु संतो के निवास, पेयजल, शौचालय, कुलेश्वर महादेव मार्ग एवं लोमश ऋषि आश्रम तक जाकर मेला के संबंध में की गई आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

साथ ही मेला स्थल में सभी जरूरी तैयारियों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान राजिम विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत सदस्य चंद्र शेखर साहू भाजपा नेता जितेंद्र सोनकर कलेक्टर दीपक अग्रवाल, एसएसपी अमित तुकाराम कांबले सहित गरियाबंद, रायपुर और धमतरी जिले के अधिकारीगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

मंत्री अग्रवाल ने मेला स्थल में तैयारियों का जायजा लेने के उपरांत मेला स्थल में ही अधिकारियों की बैठक लेकर सभी कार्यो को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कुंभ मेला स्थल में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लैब टेस्ट सुविधा, एंबुलेंस सहित आवश्यक एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाइयों का स्टॉक रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी मंदिरों में व्हाइट वाश और लाइटिंग करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने सीएसईबी के अधिकारियों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्बाध पेयजल सुविधा और जरूरी शौचालय व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सड़कों में धूल न उड़े इसके लिए लगातार पानी का छिड़काव करने के निर्देश दिए।

राजिम कुंभ कल्प 2024 के दौरान तीन दिन विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके अंतर्गत 24 फरवरी, 4 मार्च और 8 मार्च को राजिम त्रिवेणी संगम में विशेष स्नान का आयोजन किया जाएगा। राजिम कुंभ मेला के दौरान 15 दिनों तक विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मेला में देशभर से साधु संत और पर्यटकों का आगमन होगा।

मोदी ने देश की जनता का दिल जीत लिया है

ललित गर्ग

वर्ष 2024 के आम चुनाव सन्निकट हैं। भारतीय जनता पार्टी ऐतिहासिक एवं धमाकेदार जीत के प्रति आश्वस्त है। एक बार फिर प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी एक नयी पारी की शुरुआत करेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी का यह तीसरा कार्यकाल अगले एक हजार वर्षों के लिए एक मजबूत नींव रखने का कार्यकाल होगा। इस अवधि में भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने के साथ विश्वगुरु भी बन सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी के दो कार्यकाल की समीक्षा करें तो स्पष्ट हो जाता है कि उनकी सरकार द्वारा उठाये गये हर कदम एवं उनकी हर बात राष्ट्र निर्माण की दिशा में बढ़ाये गये अनूठे, परिवर्तनकारी एवं सकारात्मक कदम रहे हैं। 2014 से पहले के भारत में भ्रष्टाचार, घोटालों और तुष्टिकरण की ही बात सामने आती थी लेकिन अब विकास, अविष्कार और नवाचार की बातें हो रही हैं, जिनमें नये भारत, सशक्त भारत की जड़ें गहरी हुई हैं। मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्ष भारतीय इतिहास में सबसे सुदृढ़ एवं युगांतरकारी रहे हैं। हम सब इतिहास के उस स्वर्णिम काल के गवाह बनने के साक्षी बने हैं। यह सब मोदी के करिश्माई एवं चमत्कारी व्यक्तित्व से ही संभव हो पाया है। करिश्मा किसी व्यक्ति विशेष का एक निश्चित गुण होता है जो अपवाद होता है और जिसके आधार पर वह स्वीकार्यता हासिल कर शासन करता है। लिंकन, चर्चिल, रूसवेल्ट और जॉन एफ केनेडी महान राजनेता थे, जो अपने करिश्माई व्यक्तित्व और प्रभामंडल के लिए जाने जाते थे और इसका उपयोग उन्होंने अपने देश को मजबूत करने के लिए किया। मोदी इसी श्रेणी के इन सबसे आगे निकलते हुए विलक्षण क्षमताओं एवं मौलिक विशेषताओं वाले विरल नेता हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा एवं सभी विपक्षी दल अपनी-अपनी चालें चल रहे हैं। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर नये गठबंधन हो रहे हैं तो बने हुए गठबंधन टूट रहे हैं, अनेक नेता दलों के पाले बदल रहे हैं, एक दूसरे को मात देने का दौर चल रहा है, सब अपनी-अपनी व्यूह रचना बना रहे हैं। भाजपा ने स्वयं की 370 एवं उसके गठबंधन की 400 सीटों का लक्ष्य बनाया है। इंडिया गठबंधन एवं विभिन्न राजनीतिक दल भी जीत की संभावनाओं को लेकर जुटे हैं। राजनीति पल-पल नया आकार लेती है, इसलिये राजनीति में सही वक्त पर सही ढंग से इस्तेमाल करने का हुनर होना अपेक्षित होता है, जो अच्छा चल रहा है उसे बिगाड़ना आना चाहिए और जो बिगड़ रहा है उसे सुधारना आना चाहिए। इसी को कहते हैं राजनीति। इसी राजनीति के महारथी के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा की रणनीति तीक्ष्ण एवं प्रभावी बनकर सामने आ रही है ताकि धमाकेदार चुनाव परिणाम तक पहुंचा जा सके। मोदी की करिश्माई राजनीति का ही परिणाम है कि नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेज दिया है। कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की स्वर सुनाई दे रहे हैं। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड़ कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही 'भारत रत्न' की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल सामने आया है। मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व का ही परिणाम है कि आगामी चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बनते दृश्यों को देखकर समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ या किंकर्तव्यविमूढ़ दिखाई दे रहा है। यह स्थिति बनने का मूल कारण जहां मोदी का ऐतिहासिक एवं सफल दो कार्यकाल हैं, वहीं आगामी चुनाव को लेकर उनकी रणनीति एवं राजनीतिक कौशल है। मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व की विशेषताओं में प्रमुख हैं कि वे दूरदृष्टि रखते हैं, लक्ष्य तय करते हैं और उस लक्ष्य को पूरा करने में लगे रहते हैं। वे अपने एजेंडे को लेकर निर्णायक और स्पष्ट हैं। लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह अपने भीतर देखते हैं एवं जनता से सीधा संबंध स्थापित करते हैं।

कांग्रेस-सपा की यारी

अनिल सिंह

उत्तर प्रदेश में काफी उहापोह के बाद आखिरकार इंडिया एलायंस के बैनर तले सपा और कांग्रेस के बीच समझौता हो गया है। कांग्रेस 17 सीटों पर लड़ेगी, बाकी की 63 सीटों पर सपा और गठबंधन में शामिल होने वाले अन्य दल ताल ठोंकेंगे। उत्तर प्रदेश में यह दूसरी बार होगा, जब कांग्रेस और सपा एक साथ मिलकर किसी चुनाव में उतरेंगे। 2017 का विधानसभा चुनाव भी दोनों पार्टियां साथ मिलकर लड़ी थीं, लेकिन कोई चमत्कार दिखाने में नाकाम रही थीं। उत्तर प्रदेश के वर्तमान समीकरण को समझें तो इस बार भी इस गठबंधन द्वारा बहुत बड़ा चमत्कार करने की संभावना नहीं है, लेकिन यह तय है कि इंडिया एलायंस कुछ सीटों पर एनडीए एलायंस को कड़ी टक्कर जरूर देगा।

आंकड़ों के जरिए इसे समझने की कोशिश करें तो उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पास इतना जनाधार नहीं बचा है कि वह सपा के साथ मिलकर कोई बड़ा उलटफेर कर सके। कांग्रेस का जनाधार उत्तर प्रदेश में लगातार सिमटता जा रहा है। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उत्तर प्रदेश की 67 सीटों पर चुनाव लड़कर 7.53 फीसदी वोटों के साथ केवल रायबरेली और अमेठी सीट जीत पायी थी, जिस पर क्रमश- सोनिया गांधी और राहुल गांधी सांसद बने थे। 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस 78 सीटों पर लड़ी, उसे मात्र 6.36 फीसदी वोट मिले, और वह केवल सोनिया गांधी की रायबरेली सीट ही जीत पायी। अमेठी जैसी पारंपरिक सीट पर राहुल गांधी को स्मृति ईरानी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस को बड़े चमत्कार की उम्मीद थी, क्योंकि चुनाव की कमान प्रियंका गांधी वाड्रा के हाथों में था। प्रियंका भी लगातार यूपी में सक्रिय रहीं। कांग्रेस ने %लड़की हूं लड़ सकती हूं% से लेकर कई तरह के अभियान चलाये। प्रियंका ने भी कोरोना और हाथरस से लेकर लखीमपुर खीरी तक प्रदेश और केंद्र सरकार को घेरने के लिये सारे घोड़े खोल दिये।

इस दौरान सपा के बजाय कांग्रेस ही प्रमुख विपक्षी दल नजर आने लगी। प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस ने बिना किसी गठबंधन के 399 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे, लेकिन जब रिजल्ट आया तब पार्टी मुंह के बल जमीन पर जा गिरी। कांग्रेस को मात्र 2.33 फीसदी वोट मिले, जबकि वह केवल दो सीटें ही जीत पायी। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के पास अब अकेले इतना जनाधार नहीं बचा है कि वह भाजपा के मत प्रतिशत तक पहुंच सके। अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा ने चुनावों में कई प्रयोग किये, लेकिन वह भाजपा से पार नहीं पा सकी। उत्तर प्रदेश में सबसे जिताऊ कंबिनेशन सपा और बसपा गठबंधन को माना जाता था, लेकिन 2019 के चुनाव में यह गठबंधन भी भाजपा के विजय रथ को नहीं रोक पाया।

इस गठबंधन ने भाजपा की कुछ सीटें कम जरूर कीं, लेकिन जिस चमत्कार की उम्मीद राजनीतिक गलियारों में लगायी जा रही थी, वैसा कुछ नहीं हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा साथ मिलकर चुनाव लड़े और केवल 15 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाये। बसपा को 10 और सपा को 5 सीट मिली। वोट प्रतिशत की बात करें तो 2019 के चुनाव में भाजपा 49.97 फीसदी वोट के साथ 62 सीटें जीतने में सफल रही। भाजपा की सहयोगी अपना दल को भी 2 सीटें मिलीं। सपा और बसपा गठबंधन को मात्र 37.5 फीसदी वोट से संतोष करना पड़ा। सपा को 18.1 फीसदी वोट शेयर के साथ 5 सीटें मिलीं तो बसपा ने 19.4 फीसदी वोट शेयर के साथ 10 सीटों पर कब्जा जमाया। ऐसे में, सपा और कांग्रेस गठबंधन से यह उम्मीद करना कि कोई बहुत बड़ा चमत्कार कर देंगे, नादानी ही होगी। केवल गठबंधन से चत्मकार होते तो 2019 में भाजपा को इतनी बड़ी जीत नहीं मिलती। जीत के लिये मतदाता का भरोसा जीतना ज्यादा जरूरी होता है। भाजपा की रणनीति देखें तो वह एक चुनाव खत्म होते ही अगले चुनाव की तैयारी में जुट जाती है।

भाजपा पांचों साल चुनाव मोड में रहती है। दूसरे दल चुनाव आने का इंतजार करते हैं तब तक भाजपा के कार्यकर्ताओं को पार्टी इतने कार्यक्रम दे देती है कि वह लगातार जनता के बीच में बने रहते हैं। भाजपा पिछले कई सालों से अपने वोट प्रतिशत को 50 फीसदी के पार करने की तैयारी में जुटी हुई है। मोदी के नेतृत्व में भाजपा उन जातियों तक पहुंचने में सफल रही है, जिनकी कम संख्या के कारण दूसरे दल महत्व नहीं देते हैं। दूसरी तरफ, विपक्षी दल केवल गठबंधन के सहारे चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश में हैं। सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां केवल चुनाव के समय जनता का भरोसा हासिल करने की कोशिश करती हैं, जिसमें उन्हें बहुत सफलता नहीं मिल पाती है।

कांग्रेस और सपा के बीच 2017 के विधानसभा चुनाव में हुआ गठजोड़ बहुत फलदायी साबित नहीं हुआ था। राज्य की 403 सीटों में सपा ने 298 तथा कांग्रेस ने 105 सीटों पर चुनाव लड़ा था। दोनों दलों को मिलाकर 28 फीसदी वोट मिले। सपा को 21.8 तथा कांग्रेस को 6.2 फीसदी मत हासिल हुआ। इसके विपरीत एनडीए गठबंधन को 41.4 फीसदी वोट मिले, जिसमें 39.7 फीसदी वोट अकेले भाजपा को हासिल हुए थे। 2017 में ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा एनडीए गठबंधन की हिस्सा थी। 2022 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने नया प्रयोग करते हुए किसी बड़े दल की बजाय छोटे दलों को महत्व दिया और जयंत चौधरी, ओम प्रकाश राजभर, पल्लवी पटेल, केशव देव मौर्य के साथ गठबंधन किया।

इसके कारण 2022 के चुनाव में सपा अपना वोट दस फीसदी बढ़ाने में सफल रही। इसके बावजूद योगी आदित्यनाथ को दोबारा सरकार बनाने से नहीं रोक सकी। सपा ने 2017 के 21.8 फीसदी मत के मुकाबले 2022 में 31.5 फीसदी मत प्राप्त किया। सपा गठबंधन को 39 फीसदी के करीब मत मिले, लेकिन भाजपा का मत प्रतिशत पिछले चुनाव के 39.7 फीसदी से बढ़कर 41.8 फीसदी तक पहुंच गया। 2022 में सपा के साथ रहे रालोद और सुभासपा 2024 में एनडीए गठबंधन के हिस्से बन चुके हैं। सपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव में उतरे रालोद को 3.08 तथा सुभासपा को 1.03 फीसदी मत मिले थे।

यूपी की तीसरी ताकत बसपा लगातार कमजोर होती जा रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा भाजपा की तरफ तथा कुछ हिस्सा सपा की तरफ खिसक रहा है। इस बार बसपा ने अकेले मैदान में उतरने का ऐलान किया है। जाहिर है, ऐसे में भाजपा गठबंधन से सीधा मुकाबला इंडिया गठबंधन ही करेगा। इंडिया गठबंधन के लिए राहत की बात केवल इतनी है कि इस बार मुस्लिम वोटों में बिखराव नहीं होगा। मुसलमानों के सामने सपा और कांग्रेस के रूप में दो विकल्प नहीं बल्कि एक विकल्प है, इसलिए यह तय है कि मुस्लिम बहुल सभी सीटों पर इंडिया एलायंस भाजपा को कड़ी टक्कर देगा। दूसरी तरफ, भाजपा को जाट बहुल सीटों पर इससे फायदा मिलेगा। भाजपा के खिलाफ कोई एंटी इनकंबैंसी नहीं है, लेकिन कई सीटों पर स्थानीय सांसदों से जनता नाराज है। ऐसी सीटों पर अगर प्रत्याशी नहीं बदले गये तो निश्चित रूप से इसका फायदा कांग्रेस और सपा गठबंधन को मिल सकता है। फिर भी सबसे बड़ा सवाल यही है कि जीत का मार्जिन तय करने के लिये सपा और कांग्रेस जनाधार कहां से तलाशेंगे और भाजपा के 50 फीसदी वोटों के पार कैसे जायेंगे?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-14)

गतांक से आगे...

संकल्प रूपी दोषों से मुक्त, शुद्ध स्वरूप, पवित्र, निर्मल एवं वासना रहित होकर वे महान् ज्ञानी शुकदेव जी अपने आत्मपद में वैसे ही एकाकार हुए, जैसे कि जलकण महासागर में विलीन होकर समुद्र रूप हो जाते हैं।

अपने पिता (ऋभु) से अनुमति लेकर निदाघ नामक श्रेष्ठ मुनिपुत्र एकाकी ही तीर्थयात्रा के लिए चल पड़े। साढ़े तीन करोड़ तीर्थ स्थलों में स्नान आदि सम्पन्न कर लेने के पश्चात् वे श्रेष्ठ मुनि अपने घर वापस लौट आए। उन महान् यशस्वी मुनि ने घर आकर अपने पिता ऋभुमुनि से अपनी समस्त यात्रा का वृत्तान्त कह सुनाया। उन्होंने कहा- हे पिताजी ! साढ़े तीन करोड़ तीर्थस्थलों में स्नान करने के पश्चात् जो पुण्य फल प्राप्त हुआ है, उसके प्रतिफल स्वरूप हमारे अन्त:करण में इस तरह के श्रेष्ठ विचार प्रादुर्भूत हो रहे हैं। यह जगत् उत्पन्न होता है मरने (विनष्ट होने) के लिए, पुन: मरता है जन्मने के लिए। समस्त चराचर प्राणियों की चेष्टा के साथ यह सारा प्रपञ्च (जगत) अस्थिर एवं क्षणिक है। ऐश्वर्य की भूमि में प्रकट होने वाले ये समस्त पदार्थ आपत्तियों के मूलभूत कारण हैं। ये सभी पदार्थ लौह शलाका के सदृश परस्पर पृथक् रहते हुए मानसिक कल्पना रूपी चुम्बक द्वारा एकत्रित होते रहते हैं। जिस तरह मार्ग में गमन करने वाला व्यक्ति मरुस्थल में चलते-चलते (कष्ट के कारण) विरक्त हो जाता है, उसी तरह मैं भी इन सांसारिक पदार्थों से विरक्त हो रहा हूँ; क्योंकि ये सांसारिक भोग-पदार्थ मुझे दु:खदायी प्रतीत होने लगे हैं। अब इन समस्त दु:खों का शमन किस प्रकार होगा, ऐसा सोचकर मेरा हृदय अत्यधिक संतप्त हो रहा है। ये ऐश्वर्य रूपी धन-जिनके पीछे चिन्ताओं के समूह चक्र की भाँति घूमते रहते हैं, मुझे आनन्दप्रद नहीं लग रहे हैं।

क्रमश: ...

संत रविदास ने सामाजिक समरसता के लिए अपना जीवन अर्पित किया था

प्रहलाद सबनानी

सामाजिक समरसता के महान संत शिरोमणी रविदास महाराज का प्रति वर्ष माघ पूर्णिमा के दिन जयंती मनाई जाती है। आपका जन्म सम्वत् 1433 में माघ पूर्णिमा रविवार के दिन वाराणसी के पास गोवरधनपुर गांव में हुआ था। इस स्थान को आज श्री गुरु रविदास जन्म स्थान के रूप में जाना जाता है।

संत श्री रविदास जी महाराज ने बचपन से ही साधु संतो की संगति में पर्याप्त व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। वे जूते बनाने का काम किया करते थे और अपना काम पूरी लगन तथा परिश्रम से करते थे और समय से काम को पूरा करने पर विशेष ध्यान देते थे। संत श्री रामानन्द जी महाराज के शिष्य बनकर उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित किया। संत श्री रविदास जी महाराज भारत के उन चुनिंदा महापुरुषों में से एक हैं जिन्होंने अपने वचनों से सारे संसार की एकता और समरसता पर ज़ोर दिया। असमानता की भावना और समाज में जाति पंथ और सम्प्रदाय की मुश्किल परिस्थितियों में अपने अनुयायियों को और समाज बंधुओं को हिन्दू बनाए रखना उनके लिए बड़ी चुनौती थी। वह भारत में इस्लाम के आक्रमण का काल था साथ ही हिन्दू समाज को प्रताड़ित करने का भी वह कालखंड था ऐसे समय में महान संत श्री रामानन्द जी महाराज की प्रेरणा व आशीर्वाद प्राप्त कर समाज में समरसता की बहार लाने का काम संत श्री रविदास जी महाराज ने बखूबी किया। आपने समाज में फैली कुरीतियों जैसे जात-पात के अंत के लिए जीवन भर काम किया। संत श्री रविदास जी महाराज की अनूप महिमा को देख कई राजा और रानियां आपकी शरण में आकर भक्ति मार्ग से जुड़े। संत श्री रविदास जी महाराज के भक्ति मार्ग पर आगे बढ़ते हुए निर्गुण धारा के उपासक होने के बाद भी सगुण धारा की उपासक मीराबाई ने आपको अपना गुरु मानकर अपनी आध्यात्मिक उन्नति की एवं मोक्ष प्राप्त किया।

भगवान श्री राम और श्री कृष्ण की भक्ति में लीन संत श्री रविदास जी महाराज धीरे धीरे लोगों की भलाई करते गए और संत बन गए। आपको विद्वानों की संगत में रहने एवं साधुओं के साथ वक़्त बिताने में बड़ा आनंद आता था। एक बार आस पास के लोग गंगा स्नान के लिए जा रहे थे तो किसी ने आपको भी गंगा स्नान के लिए चलने को कहा। अपने काम में मग्न संत श्री रविदास जी महाराज ने उन्हें एक सुपारी दी और कहा कि मेरी तरफ से ये मां गंगा को अर्पित कर देना। जैसे ही उस शख़्स ने वह सुपारी मां गंगा को अर्पित की उसे सोने का एक कंगन मिल गया। उस व्यक्ति के मन में लालच आ गया उसने कंगन संत श्री रविदास जी महाराज के बजाय, इनाम की लालसा में, राजा को दे दिया। रानी ने उस शख़्स से वैसा ही एक और कंगन लाने को कह दिया। राजा ने आदेश दिया कि यदि ये इच्छा पूरी नहीं हुई तो उसे दंड मिलेगा। परेशान व्यक्ति ने जब पूरी कहानी संत श्री रविदास जी महाराज को बताई तो उन्होंने नाराज़ होने के बजाय पूरे मन और शक्ति से मां गंगा को याद किया, अपनी कठौती में हाथ डाला और एक कंगन उसमें से नकालकर उस व्यक्ति को दे दिया और कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा।

चीन की महत्वकांक्षा के आगे भारतीय दीवार

अभिनय आकाश

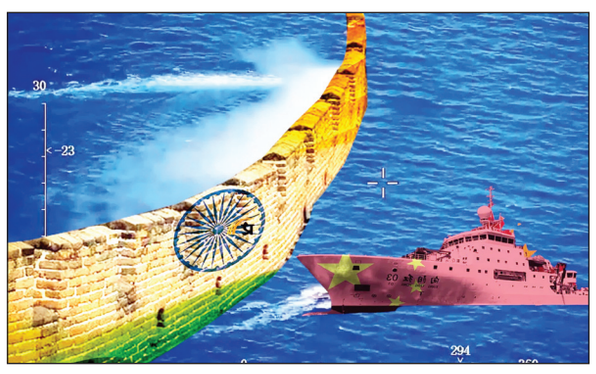

दक्षिण चीन सागर करीब 35 लाख किलोमीटर में फैला ऐसा एक विवादित क्षेत्र जिस पर चीन के साथ-साथ फिलपींस, वियतनाम, मलेशिया, ताइवान और ब्रुनोई अपना-अपना दावा करते रहे हैं। भारत के साथ-साथ दक्षिण चीन सागर बहुत सारे देशों के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन क्यों? आखिर दक्षिण चीन सागर में ऐसी क्या खास बात है? सबसे पहली बात तो ये कि इसे नैचुरल रिसोर्स का भंडार कहा जाता है। अमेरिका की रिपोर्ट की माने तो यहां पर करीब 11 अरब बैरल तेल है। 190 खरब क्यूबिक फीट नैचुरल गैस है। दुनिया का 30 फीसदी व्यापार इस रास्ते से होता है। बिजनेस इनसाइडर पत्रिका के मुताबिक दक्षिण चीन कोरिया की दो तिहाई एनर्जी सप्लाई इस रास्ते से होकर जाती है। जापान और ताइवान की 60 फीसदी और चीन और चीन का 80 फीसदी कच्चा तेल इस रास्ते से होकर आता है। तो सोचिए ऐसी जगह पर कौन सा देश अपना दावा नहीं करेगा! इसके आस-पास के देश अपना दावा कर ही रहे हैं। वियतनाम, चीन, फिलिपींस, मलेशिया के अलावा ब्रुनेई और ताइवान भी अपना-अपना अधिकार जमाते हैं। चीन तो 1947 से ही इस क्षेत्र पर अपना दावा कर रहा है। हाल के वर्षों में दक्षिण चीन सागर ने भू-राजनीतिक और रक्षा विशेषज्ञों को खतरे की घंटी बजा दी है। कुछ राजनीतिक पंडित इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह एशियाई क्षेत्र के लिए संभावित अस्थिरता का स्रोत कैसे हो सकता है, अन्य ने चेतावनी दी है कि यह वह जगह हो सकती है जहां अगला युद्ध हो सकता है। इसके चीन वहां अपनी उपस्थिति बनाए रखता है जबकि भारत और अमेरिका सहित अन्य देश अशांत जल में ड्रैगन की पहुंच को रोकने की कोशिश करते हैं।

संयुक्त राज्य ऊर्जा सूचना एजेंसी के अनुमान के मुताबिक, दक्षिण चीन सागर के नीचे 11 अरब बैरल तेल और 190 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस जमा है। इसके अलावा, समुद्र एक समृद्ध मछली पकड़ने का मैदान है; बीबीसी ने पहले बताया था कि दुनिया की आधे से अधिक मछली पकड़ने वाली नौकाएँ इन जलक्षेत्रों में संचालित होती हैं। दक्षिण चीन सागर भी एक प्रमुख व्यापार मार्ग है। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुसार, 2016 में वैश्विक व्यापार का 21 प्रतिशत से अधिक, यानी 3.37 ट्रिलियन डॉलर की राशि जल के माध्यम से पारगमन हुई। इसमें चीन की महत्वाकांक्षाएं भी शामिल हैं। जैसा कि ग्लोबल चैलेंजेस में एक निबंध में कहा गया है। दक्षिण चीन सागर के बड़े हिस्से पर चीनी क्षेत्रीय और समुद्री दावे न केवल आर्थिक और सुरक्षा विचारों पर आधारित हैं। राष्ट्रीय पहचान बनाने और चीन की अतीत की भव्यता के नवीनीकरण पर भी आधारित हैं।

चीन कई सालों से इस इलाके पर अपना अधिकार जमाता रहता है। इस इलाके से आने-जाने वाले मालवाहक जहाजों पर भी चीन प्रतिबंध लगाने की बात करता रहा है। हालांकि गौर करने वाली बात ये है कि समुद्र के इस इलाके पर दुनिया के कई देश दावा करते रहे हैं। लेकिन बीते आठ सालों में चीन ने जितना विकास इस इलाके में किया है और कोई देश नहीं कर पाया। अमेरिका समेत दुनिया भर के देश साउथ चाइना सी को एक मुख्य व्यापार क्षेत्र मानते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान अमेरिका से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से वादा किया था कि चीन इस इलाके में कभी भी सेना को तैनात नहीं करेगा। लेकिन आदत से मजबूर चीन अपने वादे से मुकर गया और यहां कई मिलिट्री बेस बना डाले। चीन लगातार अपनी सैन्य ताकत और दुनिया के कोने कोने में अपनी पहुंच को बढ़ा रहा है। हालांकि चीन लगातार अपनी इस मुहिम में अवैध तरीके से छोटे और कमजोर देशों पर कब्जा कर रहा है। इसी कड़ी में चीन की तरफ से दक्षिण चीन सागर में एक के बाद एक मानव निर्मित टापू बनाकर कई देशों के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहा है। इन टापूयों पर चीन ने न केवल अपनी सेना तैनात की है बल्कि कई आधुनिक रडार सिस्टम भी तैनात कर दिए हैं। हाल के दिनों में भारत चीन की आक्रामकता और बाहुबल को संतुलित करने के तरीके के रूप में जल क्षेत्र में अपनी उपस्थिति स्थापित कर रहा है।

चीन और भारत समेत दुनिया के 100 से भी अधिक देशों में एक एग्रीमेंट साइन किया गया है। इसे यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द लॉ ऑफ द सी कहा जाता है। इसके अनुसार, किसी भी देश की जमीन से 12 नॉटिकल मील तक उस देश की समुद्री सीमा मानी जाती है। इस कानून के अनुसार 12 नॉटिकल मील की दूरी के बाद का समुद्री क्षेत्र कोई भी देश ट्रेड के लिए इस्तेमाल कर सकता है। इस दूरी के बाद किसी भी देश की समुद्री सीमा लागू नहीं होती। चीन ने साउथ और ईस्ट चाइना सी में अलग-अलग आइलैंड पर कब्जा कर रखा है। चीन इन आइलैंड को अपना बताता है और अपनी समुद्री सीमा का आकलन भई इन्हीं आइलैंड के हिसाब से करता है। इससे समुद्र में चीन का दखल बढ़ता जा रहा है। दरअसल चीन ने साउथ और ईस्ट चाइना सी में अलग-अलग आइलैंड पर कब्जा कर रखा है। चीन इन आइलैंड को अपना बताता है और अपनी समुद्री सीमा का आकलन भी इन्हीं आइलैंड की दूरी के हिसाब से करता है। इससे समुद्र में चीन का दखल बढ़ता जा रहा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि जल उसके राष्ट्रीय हित के लिए महत्वपूर्ण है और वह अक्सर सभी पक्षों को एक संदेश में क्षेत्र के माध्यम से नौवहन संचालन (फोनॉप्स) की स्वतंत्रता का संचालन करता है। और जल क्षेत्र में चीन की उपस्थिति को रोकने के प्रयास में, वाशिंगटन ने दक्षिण एशिया में अपनी सैन्य गतिविधि और नौसैनिक उपस्थिति बढ़ा दी है। इसके अलावा, इसने चीन के विरोधियों को हथियार और सहायता भी प्रदान की है। भारत भी दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की गतिविधियों को क्षेत्रीय शक्ति संतुलन के लिए खतरे के रूप में देखता है, जो उसे इस क्षेत्र में अपनी नौसैनिक उपस्थिति बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है। दरअसल, हाल के वर्षों में नई दिल्ली पानी को लेकर पैदा होने वाले विवादों में तेजी से शामिल हुई है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह नई दिल्ली के रुख में एक बड़ा बदलाव है। इससे पहले, उसने दक्षिण चीन सागर पर न्यायाधिकरण के आदेश पर तटस्थ रुख बरकरार रखा था। 2019 में भारतीय नौसेना ने पहली बार दक्षिण चीन सागर में अमेरिका, जापानी और फिलीपीन नौसेनाओं के साथ संयुक्त अभ्यास किया। फिर 2020 और 2021 में भारत ने वियतनाम, फिलिपींस, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया के साथ नौसैनिक अभ्यास किया। मई 2023 में भारत ने पहली बार दक्षिण चीन सागर में सात आसियान देशों की नौसेनाओं के साथ दो दिवसीय संयुक्त अभ्यास में भाग लेने के लिए युद्धपोत भेजे। भारत ने फिलिपींस और वियतनाम को अपनी सैन्य बिक्री भी बढ़ा दी है। उदाहरण के लिए 2022 में नई दिल्ली ने 100 ब्रह्मोस सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइलों के लिए फिलिपींस के साथ एक समझौता किया। एक साल बाद, जुलाई 2023 में नई दिल्ली ने घोषणा की कि वह वियतनामी नौसेना को भारतीय मिसाइल कार्वेट आईएनएस किरपान सौंपेगी। उसी वर्ष भारत ने फिलिपींस को कम से कम सात हेलीकॉप्टरों की भी पेशकश की, जिनका उपयोग देश में आपदाओं के दौरान फिलीपीन तट रक्षक (पीसीजी) के बचाव और मानवीय प्रयासों के लिए किया जाएगा।

आज का इतिहास

1779 जॉर्ज रोजर्स क्लार्क ने ब्रिटिश से विन्सेनस को बंदी बना लिया।

1803 यू.एस. सुप्रीम कोर्ट, मार्बरी बनाम मैडिसन में, पहली बार एक असंवैधानिक कांग्रेस को असंवैधानिक घोषित किया, जिसने यू.एस. में न्यायिक समीक्षा का आधार बनाया।

1803 मैबररी वी. मैडिसन: संयुक्त राज्य के सर्वोच्च न्यायालय न्यायिक समीक्षा के सिद्धांत को स्थापित किया गया ।

1809 केवल 15 साल खड़े रहने के बाद, लंदन का ड्र्यू लेन थिएटर, उस नाम की तीसरी इमारत को जला दिया, मालिक रिचर्ड ब्रिंसली शेरिडन को बेसहारा छोड़ दिया।

1826 यैंडाबो की संधि पर हस्ताक्षर किया गया था, ब्रिटिश राज के इतिहास में सबसे लंबा और सबसे महंगा युद्ध, पहला एंग्लो-बर्मी युद्ध समाप्त हुआ।

1839 विलियम ओटिस को भाप फावड़ा के लिए एक पेटेंट प्राप्त हुआ।

1868 एंड्रयू जॉनसन महाभियोग लाने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने।

1875 स्टीमरशिप एसएस गोथेनबर्ग ने कम बैरियर पर ग्रेट बैरियरराइफ़ के एक सेक्शन को मार डाला और 100 से अधिक मौतों के साथ ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के उत्तर-पश्चिम में होलोबोर्न द्वीप में डूब गया।

1890 शिकागो कोलमबियन प्रदर्शनी की मेजबानी के लिए चयन किया गया।

1893 अमेरिकी विश्वविद्यालय वाशिंगटन डीसी में कांग्रेस के एक अधिनियम द्वारा स्थापित की गयी।

1918 यूरोपीय देश इस्तोनिया ने रूस से स्वतंत्रता हासिल की।

1918 आर्मेनिया, अज़रबैजान और जॉर्जिया तीनो शहर को ट्रांसस्कोजेनियाई डेमोक्रेटिक संघीय गणराज्य के रूप में रूस से आजादी मिली।

1920 जर्मन वर्कर्स पार्टी की एक बैठक में, एडॉल्फ हिटलर ने पार्टी के 25-सूत्रीय कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की और पार्टी ने अपने नैमेटो नाजी पार्टी को बदल दिया।

1946 कर्नल जुआन पेरोन, राजनीतिककरण के संस्थापक जिन्हें पेरोनिज़्म के रूप में जाना जाता है, अर्जेंटीना के अपने पहले कार्यकाल के लिए चुने गए थे।

1946 राजनैतिक आंदोलन के संस्थापक कर्नल जुआन पेरोन को अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के रूप में उनके पहले कार्यकाल के लिए चुना गया था।

1948 फिल्म से लेकर राजनीति तक का सफर तय करने वाली जयललिता का जन्म हुआ।

सोनिया गांधी के परिवार में चल क्या रहा है?

अजय सेतिया

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी वाड्रा से जब पूछा गया था कि कांग्रेस की तरफ से मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, तो उन्होंने तपाक से कहा था, और कोई दिखता है क्या। उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह उनकी अपरिपक्व शुरुआत थी, उनकी इस टिप्पणी से उन लोगों को बहुत निराशा हुई थी, जो पिछले एक दशक से कह रहे थे कि प्रियंका गांधी कांग्रेस का तुरुप का पत्ता है। वे लोग प्रियंका में इंदिरा गांधी की छवि देख रहे थे, क्योंकि उनकी नाक इंदिरा गांधी जैसी थी, क्योंकि उनका हेयर स्टाईल थोड़ा थोड़ा इंदिरा गांधी जैसा था, क्योंकि वह साड़ी इंदिरा गांधी की तरह पहनती थी। प्रियंका ने नारा दिया था, लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, लेकिन वह लड़ नहीं पाई, उनकी रहनुमाई में कांग्रेस को विधानसभा में सिर्फ दो सीटें और दो प्रतिशत वोट मिला। जो दो सीटें कांग्रेस जीती, उनमें प्रियंका गांधी की कोई भूमिका नहीं थी। एक तो प्रमोद तिवारी की बेटी आराधना मिश्रा जीती, और दूसरे फरेंदा सीट से लगातार तीन बार चुनाव हारने के बाद 12 सौ वोट से वीरेन्द्र चौधरी जीते।

कांग्रेस ने इसके बाद हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने का श्रेय प्रियंका गांधी को दिया, क्योंकि नेहरू-गांधी परिवार की तरफ से वही वहां चुनाव प्रचार कर रही थी। हालांकि सच्चाई यह है कि ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने के कांग्रेस के वायदे और भाजपा की अंदरूनी गुटबाजी के कारण हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत आसान हुई। इस समय नेहरू-गांधी परिवार में भारी कशमकश चल रही है। सोनिया गांधी खुद को असहाय पा रही हैं, क्योंकि बार बार की रिलांचिंग के बावजूद राहुल गांधी जनता में प्रभाव नहीं छोड़ पा रहे और प्रियंका गांधी की लांचिंग भी बेकार गई। सच यह है कि सोनिया गांधी हिम्मत हार चुकी हैं, वह लोकसभा का चुनाव लड़ने की हिम्मत भी नहीं कर पाईं। जबसे भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है, तभी से यह खबर आनी शुरू हो गई थी कि सोनिया गांधी उम्र और बीमारी की वजह से लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेगी। जबकि सच्चाई यह है कि 2019 में पारिवारिक सीट अमेठी से राहुल गांधी की हार के बाद सोनिया गांधी को भी रायबरेली से हारने का डर था। रायबरेली में अगर वह चुनाव लड़ती तो उनकी हार सुनिश्चित थी, क्योंकि पिछले पांच साल में वह रायबरेली गई ही नहीं। अगर बीमारी और उम्र ही चुनाव नहीं लड़ने की वजह है, तो राज्यसभा में जाने की भी क्या जरूरत थी, राज्यसभा अनुभवी लोगों का सदन तो है, लेकिन बीमार लोगों का सदन नहीं है।

जिस सोनिया गांधी ने 1991 में राजनीति में आने से ही इंकार कर दिया था, वह बीमारी और उम्र के कारण अब राजनीति से सन्यास क्यों नहीं ले रहीं। इसके दो बड़े कारण हैं, एक बड़ा कारण तो यह है कि उनके राजनीति से सन्यास लेने के बाद कांग्रेस राहुल और प्रियंका खेमों में बंट जाएगी। हम 2014 में कांग्रेस की करारी हार के बाद से देख रहे थे कि कांग्रेस के कुछ नेता राहुल गांधी के बजाए प्रियंका को नेतृत्व देने की मांग कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के प्रमोद कृष्णम उनमें से एक थे, जिन्हें अब कांग्रेस ने इसी कारण निकाल बाहर किया है, क्योंकि वह खुलेआम राहुल गांधी की आलोचना कर रहे थे और प्रियंका के हाथ में कांग्रेस का नेतृत्व देने की बात कर रहे थे। सोनिया गांधी के राजनीति से सन्यास नहीं लेने का दूसरा कारण यह है कि वह दस जनपथ नहीं छोड़ना चाहती, क्योंकि 1985 से वह इस विशाल कोठी में रह रही हैं, और इस कोठी की एक दीवार कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड से लगती है, जिसमें एक दरवाजा भी खोल दिया गया है। अगर वह सांसद नहीं रहेंगी, तो यह कोठी उन्हें खाली करनी पड़ेगी। हालांकि यह कोठी लोकसभा पूल की है, लेकिन मोदी सरकार इतनी बात तो मान ही लेगी कि यह विशाल कोठी राज्यसभा पूल में ट्रांसफर कर दी जाएगी।

सोनिया गांधी ने राज्यसभा का पर्चा दाखिल करने से पहले जो चिठ्ठी रायबरेली के वोटरों के नाम लिखी है, उसमें उन्होंने संकेत दिया है कि उस सीट से उनके परिवार का कोई सदस्य चुनाव लड़ेगा। तो अब सवाल पैदा होता है कि राहुल गांधी या प्रियंका गांधी। राजनीतिक गलियारों में एक चर्चा तो यह भी चल रही थी कि प्रियंका वाड्रा हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा में आना चाहती थी, परंतु सोनिया गांधी और राहुल गांधी इससे सहमत नहीं हुए, लेकिन यह बात गले उतरने वाली नहीं है। यह बात पूरी तरह शरारतपूर्ण लगती है कि प्रियंका राज्यसभा में आना चाहती थीं, लेकिन सोनिया और राहुल इसके लिए तैयार नहीं हुए, इसलिए वह नाराज हैं। इसी नाराजगी की वजह से वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं हुई। लेकिन इसका कारण दूसरा भी हो सकता है, वह यह कि वह राहुल गांधी के रास्ते में रूकावट नहीं बनना चाहती। राहुल गांधी ने अपनी यात्रा में इंडी एलायंस के किसी भी सहयोगी को न्योता नहीं देकर खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना लिया है। हालांकि तेजस्वी यादव जरुर 16 फरवरी को बिहार के सासाराम में उनके सारथी बने दिखाई दिए। पिछली बार हमने देखा कि जैसे ही प्रियंका गांधी यात्रा में शामिल हुई थी, मीडिया में उनकी बात होने लगी थी। लेकिन यह बिलकुल सच नहीं लगता कि वह राज्यसभा का टिकट चाहती होंगी। पहली बार वह राज्यसभा में आने के बजाए चुनाव लड़कर लोकसभा में पहुंचना चाहेंगी।

अगर प्रियंका गांधी नाराज भी है, तो उसके कई और कारण हो सकते हैं, जैसे खुलेआम उनका समर्थन करने वाले प्रमोद कृष्णम को पार्टी से निकाल दिया जाना और उन्हें उत्तर प्रदेश के प्रभार से मुक्त कर दिया जाना। लेकिन 17 फरवरी को राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जैसे ही चंदौली से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करती, वह उस यात्रा में शामिल होने वाली थी। वह तो अचानक बीमार पड़ गई और 16 फरवरी को उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। राहुल गांधी 26 जनवरी को मध्यप्रदेश में प्रवेश से पहले 25 फरवरी तक उत्तर प्रदेश में ही है, अगर डाक्टर उन्हें इजाजत देंगे, तो वह उत्तर प्रदेश में ही या बाद में कहीं ओर यात्रा में शामिल हो सकती हैं। लेकिन वह पूरी यात्रा में ही शामिल नहीं होती हैं, तो यह सवाल जरुर उठेगा कि क्या वह किसी कारण मां और भाई से नाराज हैं। फिर भी एक बात तय है कि प्रियंका गांधी या राहुल गांधी दोनों में से एक रायबरेली में चुनाव लड़ेगा। यह सोनिया गांधी की रायबरेली की जनता के नाम लिखी खुली चिठ्ठी से स्पष्ट है। अगर प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ती हैं, तो वह राहुल गांधी की श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर विरोधी मुहिम के उलट राम लला के दर्शन करके चुनाव अभियान की शुरुआत कर सकती हैं। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा का बायकाट करके कांग्रेस ने जो गलती की है, प्रियंका गांधी उसे ठीक करके रायबरेली या अमेठी में अपने जीतने की आधारशिला रख कर राहुल गांधी की राजनीति के विपरीत राजनीति शुरू कर सकती हैं।

श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुख्य मुद्दा बना हुआ है। 17 फरवरी को जहां राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के चन्दौसी में फिर से प्राण प्रतिष्ठा में बड़े बड़े लोगों को बुलाए जाने का मुद्दा उठाकर भाजपा को घेरने की कोशिश की, वहीं हरियाणा के रेवाड़ी में नरेंद्र मोदी ने भी श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर बनाने का वादा निभाने का मुद्दा उठाया। रेवाड़ी वह जगह है, जहां से नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद पहली रैली की थी। वहीं से मोदी ने 2024 के चुनाव का आगाज किया है। मोदी ने उसी रेवाड़ी में कहा कि कांग्रेस भगवान श्रीराम को काल्पनिक मानती है, इसलिए उसने श्रीराम जन्मभूमि की प्राण प्रतिष्ठा का बायकाट किया, लेकिन अब उसी कांग्रेस ने जय सियाराम बोलना शुरू कर दिया है।

विपक्ष को बहुत भारी पड़ सकती है चुनावों में नाकामी

राजकुमार सिंह

लोकसभा चुनाव की घोषणा से कुछ ही पहले उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर सहमति किसी ट्रेन के प्लेटफॉर्म छोड़ने से ठीक पहले उस पर लटक जाने जैसा लगता है। लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा ज्यादा दूर नहीं है, पर पिछले साल लंबे-चौड़े वादे-इरादे के साथ बने दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' में सीटों के बंटवारे की मंजिल दूर बनी हुई है। 80 लोकसभा सीटोंवाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 'इंडिया' के घटक दलों में आधा-अधूरा सीट बंटवारा हो पाया है। आधा-अधूरा इसलिए कि 21 फरवरी की शाम की गई घोषणा के मुताबिक कांग्रेस 17 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शेष 63 पर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के अन्य घटक दल। जयंत चौधरी के रालोद के अलगाव के बाद अब उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन में सपा और कांग्रेस के अलावा आप ही शेष है। फिर उसके साथ भी सीट बंटवारा कर लेने में क्या समस्या रही, क्योंकि उसकी तो बहुत ज्यादा मांग भी नहीं होगी क्या रालोद जैसा पुराना साथी गंवा कर सपा कुछ छोटे दलों के साथ आने की उम्मीद लगाए बैठी है बेशक राजनीति संभावनाओं का खेल है, पर मौजूद संभावनाओं को गंवा कर नई संभावनाओं की आस परिपक्वता की निशानी तो नहीं। सवाल पूछा ही जाना चाहिए कि क्या सीट बंटवारे में बहुत विलंब नहीं हो गया लोकसभा चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के मकसद से ही 28 दलों ने पिछले साल 'इंडिया' गठबंधन बनाया था। फिर उसकी व्यापक चुनावी संभावनाओं की कीमत पर अपने दल के लिए दो-चार सीटें ज्यादा हथिया लेने की मानसिकता क्यों है राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर सपा-कांग्रेस में तनातनी के बीच अचानक हुए सीट बंटवारे में प्रियंका गांधी की भूमिका बताई जा रही है। प्रियंका ने यह सक्रियता पहले क्यों नहीं दिखाई? तब शायद सीट बंटवारे में अखिलेश की चालबाजियों से खफा जयंत भी 'इंडिया' छोड़ कर भाजपा की ओर नहीं जाते। भाजपा के बढ़ते वर्चस्व के मद्देनजर विपक्षी दलों में किसी भी गठबंधन को लोकतंत्र की जीवंतता के लिए शुभ माना जा सकता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि सपा-कांग्रेस मिल कर उसे कड़ी चुनौती नहीं दे सकते। हां, अगर मायावती की बसपा और जयंत चौधरी का रालोद भी 'इंडिया' गठबंधन में होता तो तस्वीर बदल सकती थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक बार फिर पालाबदल के चलते उत्तर प्रदेश की तरह बिहार में भी चुनावी समीकरण भाजपा और उसके नेतृत्ववाले एनडीए के पक्ष में झुक गया लगता है यानी 120 लोकसभा सीटों पर चुनौती देने का मौका विपक्ष ने गंवा दिया है। राज्यों की तस्वीर बहुत उम्मीद नहीं जगाती।

मोदी के साथ खड़े रहना पटनायक और जगन के लिए क्यों जरूरी?

अंकित सिंह

लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है। इसके साथ ही कुछ राज्यों में विधानसभा के चुनाव भी होंगे। लोकसभा के साथ दिन राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने हैं। उनमें आंध्र प्रदेश और ओडिशा शामिल है। इन दोनों ही राज्यों में भाजपा अपने दम पर लगातार लड़ाई लड़ती रहती है। हालांकि, इन दोनों ही राज्यों में एक सामानता जरूरी है जो कि भाजपा के लिए परिस्थितियों को काफी सहज करता है। ओडिशा में बीजेडी और नवीन पटनायक की सरकार है। वहीं, आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली वाईएसआर कांग्रेस की सरकार है। यह दोनों दल भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए गठबंधन का हिस्सा नहीं है। बावजूद इसके केंद्रीय नेतृत्व के साथ इन दोनों ही नेताओं के रिश्ते बेहद में सहज है, सरल है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि बीजेडी और वाईएसआर कांग्रेस की रणनीति भाजपा के लिए क्या है? वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी का जो रिश्ता भाजपा के साथ है, उसे क्या नाम दिया जा सकता है?

चाहे यूपीए हो या एनडीए, भारत सरकार के साथ स्थिर संबंधों से नवीन पटनायक को फायदा होता है। ओडिशा की अधिकांश लोकसभा सीटें जीतने का उनका रिकॉर्ड मोदी की लोकप्रियता से भी नहीं टूटा। हालांकि, मोदी और पटनायक के प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। उनके अच्छे संबंध हैं। लेकिन ओडिशा में बीजेपी ने बीजेडी के वोटों में सेंध लगा ली है। दोनों पार्टियाँ हमेशा एक-दूसरे की प्रतिद्वंद्वी नहीं थीं। 1997 में अपने पिता की मृत्यु के बाद नवीन पटनायक ने पहली बार चुनावी राजनीति में प्रवेश किया और उपचुनाव जीता। जब एक साल बाद जनता दल विभाजित हो गया, तो पटनायक ने अपनी पार्टी बनाई और केंद्र में तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में केंद्रीय इस्पात और खान मंत्री बने। इससे नई क्षेत्रीय पार्टी बीजेडी की राजनीतिक शुरुआत हुई, जो आज तक ओडिशा पर शासन कर रही है। बाद में 2000 में, बीजद और भाजपा ने ओडिशा में गठबंधन सरकार बनाई, जिसमें पटनायक मुख्यमंत्री बने। भगवा पार्टी के साथ गठबंधन में, पटनायक ने 1998, 1999 और 2004 में तीन लोकसभा चुनाव और साथ ही 2000 और 2004 में दो विधानसभा चुनाव भी लड़े। 2008 में दोनों दलों के बीच गठबमधन टूट गई।

दोनों दलों के बीच अनौपचारिक सौहार्द हमेशा एक-दूसरे के लिए आपसी समर्थन पर आधारित रहा है। मोदी सरकार ने अतिरिक्त उधार अनुमति के रूप में वित्तीय प्रोत्साहन देकर ओडिशा की मदद की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य को वर्ष 2021-22 और 2022-23 के लिए 2,725 करोड़ रुपये की अतिरिक्त उधारी की अनुमति मिली है। दोनों पार्टियों के बीच अच्छे संबंध इस बात से भी जाहिर होते हैं कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के अनुरोध पर बीजद ने अश्विनी वैष्णव (निवर्तमान केंद्रीय रेल मंत्री) को राज्यसभा के लिए नामित किया। नवीन पटनायक ये बाद हमेशा मानते है कि केंद्र के साथ रिश्ते बनाकर ही राज्य को विकसित किया जा सकता है।

पड़ोसी राज्य आंध्र में सत्ताधारी और विपक्षी दोनों पार्टियों के प्रमुख बीजेपी के साथ गठबंधन करना चाहते हैं। स्थिति अनोखी नहीं है। टीडीपी के नायडू 2014 में बीजेपी की मदद से ही सत्ता में वापस आये। 2019 में जगन के नेतृत्व वाली वाईएसआरसीपी की जीत एक कठिन संघर्ष और सफल अभियान का परिणाम थी। जगन को इस बार अपनी बहन की अगुवाई वाली कांग्रेस और पुराने दुश्मन नायडू दोनों से लड़ना होगा। जगन मोहन रेड्डी को पता है कि लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार केंद्र में बन सकती है। इसलिए जगनमोहन रेड्डी केंद्र के साथ अपने रिश्ते बना कर रख रहे हैं। साथ ही साथ जगन मोहन रेड्डी को भी लगता है कि केंद्र के साथ रिश्ते बना कर रखने से राज्य को फायदा होगा और एक अच्छा संकेत जाएगा। कुछ लोगों का मानना है कि केंद्र के साथ अच्छे रिश्ते की वजह से ही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जगन के खिलाफ मामलों में कोई प्रगति नहीं हुई है, जबकि ये एजेंसियां कई विपक्षी नेताओं के पीछे लगातार भाग रही हैं।

जगन मोहन रेड्डी भगवा पार्टी के साथ नहीं जा सकते क्योंकि मुस्लिम अल्पसंख्यक और दलित ईसाई वाईएसआरसीपी का एक बड़ा समर्थन आधार हैं। इसलिए, जगन संसद के दोनों सदनों में भाजपा को लगातार समर्थन दे रहे हैं और बदले में, उनके मामलों पर निष्क्रियता के रूप में मोदी सरकार द्वारा उनका समर्थन किया जाता है। जगन चाहते हैं कि यह यथास्थिति 2024 के बाद भी जारी रहे क्योंकि कई सर्वेक्षण और रिपोर्ट मोदी के लिए तीसरे कार्यकाल का संकेत देते हैं। यह भी कहा जाता है कि जगन मोदी-शाह की जोड़ी के मौन समर्थन के बिना टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू पर इस तरह की प्रतिशोध की कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं कर पाते।

लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है सुप्रीम कोर्ट का फैसला

कृष्णमोहन झा

निहायत अफसोस की बात है कि चंडीगढ़ के मेयर पद के चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए चुनाव अधिकारी ने वैध मतपत्रों के साथ खिलवाड़ करने में भी कोई संकोच नहीं किया। अपनी इस अशोभनीय हरकत के लिए एक ओर तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार का सामना करना पड़ा और दूसरी ओर उनकी इस हरकत ने समूची भाजपा को भी शर्मसार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले को अच्छी तरह देखने परखने के पश्चात् चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को विजयी घोषित कर दिया है और चुनाव अधिकारी के ऊपर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। आम आदमी पार्टी अब अगर अपनी दोहरी जीत का जश्न मना रही है तो यह स्वाभाविक ही है परन्तु भाजपा के लिए यह आत्ममंथन करने का समय है कि उसे आखिर एक शहर के मेयर पद के चुनाव में अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगाने की क्या आवश्यकता थी। अब स्थिति यह है कि न तो उसके पास मेयर की कुर्सी है , न ही यह साबित करने के लिए कोई तर्क है कि चुनाव अधिकारी ने मतपत्रों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की इस पूरे मामले में अब दूध का दूध और पानी का पानी हो चुका है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी की अनदेखी बिल्कुल नहीं की जानी चाहिए कि हम चंडीगढ़ में लोकतंत्र की हत्या नहीं होने देंगे। इस टिप्पणी के माध्यम सुप्रीम कोर्ट ने जो संदेश दिया है वह निश्चित रूप से लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है।

दरअसल चंडीगढ़ के नवनिर्वाचित नगर निगम में संख्याबल के हिसाब से मेयर पद के चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार की जीत पहले से ही सुनिश्चित मानी जा रही थी। इस सच्चाई से वाकिफ होने के बावजूद भाजपा यह प्रयास कर रही थी कि आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को चुनाव में मुंह की खानी पड़े। शायद यही सोचकर मेयर चुनाव कराने के लिए अनिल मसीह को चुनाव अधिकारी बनाया गया था जो अतीत में भाजपा के अर्ल्पसंख्रक मोर्चा के पदाधिकारी रह चुके थे। दरअसल 18 फरवरी को जब चंडीगढ़ प्रशासन ने मेयर के चुनाव को ऐन वक्त पर इसलिए स्थगित कर दिया क्योंकि अनिल मसीह अचानक अस्वस्थ हो गये थे तभी संदेह के बादल गहराने लगे थे।इसके बाद आम आदमी पार्टी ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया । हाईकोर्ट ने चुनाव स्थगित करने के चंडीगढ़ प्रशासन के आदेश को रद्द करते हुए 30 जनवरी को चुनाव कराने और चुनाव प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने के आदेश दिए। 30 जनवरी को मेयर पद के चुनाव हेतु मतदान हुआ तो आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को 20 मत प्राप्त हुए और भाजपा उम्मीदवार मनोज सोनकर को 16 मत मिले। इस गणना के हिसाब से कुलदीप कुमार को विजयी घोषित किया जाना चाहिए था परन्तु पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने कुलदीप कुमार को मिले 20 मतों में से 8 मतों को अवैध करार देते हुए भाजपा उम्मीदवार मनोज सोनकर को विजयी घोषित कर दिया। वीडियो क्लिप में अनिल मसीह आम आदमी पार्टी को मिले कुछ मतों को निरूपित करते हुए भी दिखाई दे रहे थे। इसके बाद आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में चुनाव अधिकारी के फैसले को चुनौती देते हुए मेयर चुनाव रद्द करने और नये चुनाव कराने की मांग की परंतु हाईकोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इंकार कर दिया और अगली सुनवाई के लिए तीन सप्ताह बाद की तिथि निश्चित कर दी। अंतत: आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार ने जब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की तो वहां अनिल मसीह यह साबित करने में असफल रहे कि चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर के चुनाव में आम आदमी पार्टी के पक्ष में पड़े 20 मतों में आठ मतों को निरूपित करने के पीछे उनकी कोई ग़लत मंशा नहीं थी। सुप्रीम कोर्ट चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और मतपत्रों की सूक्ष्म जांच करने के पश्चात् आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित कर दिया और अदालत में गलत बयानी के आरोप में अनिल मसीह पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया। अनिल मसीह इस स्थिति की तो स्वप्न में भी कल्पना नहीं कर सकते थे। कैमरे के सामने ऐसा ग़लत काम करते वक्त उन्होंने एक पल के लिए भी यह नहीं सोचा कि अदालत में वे अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाए तो उसका अंजाम क्या होगा।

अब चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर की कुर्सी पर आम आदमी पार्टी के कुलदीप कुमार आसीन हो चुके हैं जिन्हें कांग्रेस का भी समर्थन प्राप्त है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के एक दिन पूर्व भाजपा के मनोज सोनकर ने मेयर पद से इस्तीफा दे दिया था । इस बीच आम आदमी के तीन पार्षद भाजपा में शामिल हो गए थे उन्हें भी अपने फैसले पर पछतावा हो रहा होगा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के एक दिन पहले ही उन्होंने जिस तरह अचानक भाजपा में शामिल होने की घोषणा की उस पर भी सवाल उठने लगे थे। आम आदमी पार्टी के तीन पार्षदों के भाजपा में शामिल होने के बावजूद भाजपा चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर ने पद से कुलदीप कुमार को नहीं हटा सकती। नगर निगम में इस समय भाजपा के 17 पार्षद हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन के पास इतना ही संख्या बल है।

किसान संगठनों ने पंजाब के आम किसानों के दीर्घकालिक हितों को दांव पर लगा दिया

नीरज कुमार दुबे

दिल्ली चलो का आह्वान करने वाले लोग खुद को किसानों का नेता बताते हैं लेकिन सवाल उठता है कि यह आखिर कैसे नेता हैं जो किसानों का भला नहीं चाहते। सरकार ने वर्तमान आर्थिक परिदृश्यों में एक बेहतर प्रस्ताव दिया। इस प्रस्ताव को तैयार करते समय सरकार ने पंजाब के किसानों की दिक्कतों का खासतौर पर ध्यान रखा लेकिन फिर भी उसे ठुकरा दिया गया। देखा जाये तो खुद को किसान नेता कहने वाले लोगों ने सरकारी एजेंसियों द्वारा पांच साल तक दाल, मक्का और कपास की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करने के केंद्र के प्रस्ताव को खारिज कर किसानों के हितों को बहुत बड़ा धक्का पहुँचाया है। पहले जरा सरकार के प्रस्ताव पर नजर डालते हैं फिर आपको बताएंगे कि कैसे यह पंजाब के किसानों के हित में था। हम आपको बता दें कि किसानों के साथ चौथे दौर की बातचीत के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ जैसी सहकारी समितियां 'अरहर दाल', 'उड़द दाल', 'मसूर दाल' या मक्का का उत्पादन करने वाले किसानों के साथ एक अनुबंध करेंगी ताकि उनकी फसल को अगले पांच साल तक एमएसपी पर खरीदा जाए। उन्होंने कहा था कि खरीद की मात्रा की कोई सीमा नहीं होगी और इसके लिए एक पोर्टल विकसित किया जाएगा। मंत्री पीयूष गोयल ने यह भी प्रस्ताव दिया था कि भारतीय कपास निगम उनके साथ कानूनी समझौता करने के बाद पांच साल तक किसानों से एमएसपी पर कपास खरीदेगा। अब जरा समझिये यह प्रस्ताव किसानों के हित में कैसे था। दरअसल गेहूं और धान की फसलों में सर्वाधिक पानी लगता है। पंजाब उन राज्यों में शुमार होता जा रहा है जहां जल संकट धीरे-धीरे बढ़ रहा है। बड़े किसानों के पास तो फिर भी संसाधन हैं मगर एक छोटे किसान के लिए हाल के वर्षों में भूजल निकालने की लागत बढ़ गयी है इसलिए यदि यह किसान उन फसलों की ओर मुड़ते जिनमें पानी की अधिक खपत नहीं होती तो उनकी लागत कम हो जाती। सरकार चाहती है कि गेहूं और धान से अलग फसलें उगाकर किसान विविधता लायें। इसके लिए सरकार उनको पांच साल तक पूरी मदद की गारंटी भी दे रही थी। देखा जाये तो सरकार का यह प्रस्ताव पंजाब के लिए आदर्श था, जहां भूजल स्तर चिंताजनक रूप से कम हो गया है। आंकड़ों के जरिये समझायें तो आपको बता दें कि इस समय पंजाब के अधिकांश क्षेत्र में गेहूं और धान की खेती (2020-21 में 85ल) होती है। पंजाब में कपास, दालों और मक्का के लिए पारिस्थितिकी तंत्र (बाजार, खरीदार, रसद, इनपुट आपूर्ति, आदि) उतना सशक्त नहीं है इसलिए सरकार किसानों को अपने समर्थन की गारंटी देना चाह रही है। अभी के संदर्भ में देखें तो मक्का 1.5ल, कपास 3.2ल और दालों की केवल 0.4ल खेती हो रही है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि किसान यदि इन फसलों की ओर बढ़ते हैं तो नये बाजार खुलेंगे। साथ ही किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए निजी क्षेत्र में भी बड़े खरीददार मिलेंगे। देखा जाये तो केंद्र के प्रस्ताव को अस्वीकार करके, किसान संगठनों ने अपने अल्पकालिक हितों के लिए पंजाब के आम किसानों के दीर्घकालिक हितों को दांव पर लगा दिया है। गेहूं और धान से दूर जाने की अनुमति नहीं देकर ये यूनियनें न केवल किसानों को नए बाजार तलाशने से रोक रही हैं, बल्कि भूजल तनाव भी बढ़ा रही हैं। इस सबसे यकीनन किसानों के लिए इनपुट लागत बढ़ जाएगी। जहां तक बात इन कृषि यूनियनों की है तो हमको यह भी समझना होगा कि इनमें ज्यादातर मंडियों में काम करने वाले दलाल और आढ़ती शामिल हैं। यह लोग सिर्फ अपने भारी कमीशन को प्राथमिकता दे रहे हैं ना कि किसानों के हितों को। हम आपको बता दें कि एपीएमसी मंडियों में गेहूं और धान के व्यापार से दलाल और आढ़ती बड़ी रकम कमाते हैं। बहरहाल, कुल मिलाकर देखा जाये तो यह आंदोलन पंजाब के किसानों के हितों के लिए नहीं बल्कि बिचौलियों के कमीशन को सुरक्षित रखने के लिए चलाया जा रहा है।

वेडिंग फक्शन में पहने लखनवी चिकनकारी साड़ी

शादी में आपको जाना हैं तो यह लखनवी चिकनकारी साड़ी जरुर पहने। इन साड़ी में आप एकदम खूबसूरत लगेंगी, कई बार होता है कि शादी में जाने पहले हम सोचते हैं आखिर क्या पहनें। वेडिंग फक्शन में आप लखनवी चिकनकारी साड़ी जरुर पहन सकते हैं। इस साड़ी में आप गजब की खूबसूरत लगेंगी। इस तरह के साड़ी के डिजाइन काफी ट्रेंड में है। शादी का फक्शन होता है तो कई बार हम ये सोचते रहते हैं कि आखिर ऐसा क्या पहने जिससे सबकी नजर हम पर हो। अगर आप भी कुछ हटके वेडिंग में वियर करना चाहती हैं तो यह लेख आपके लिए है। शादी में सबसे अलग और खूबसूरत दिखना हैं तो आप लखनवी साड़ी को वियर करें। दरअसल, इस तरह के साड़ी के डिजाइन काफी ट्रेंड में है, जिन्हें आप वियर करके काफी खूबसूरत लगेंगी।

रेड कलर चिकनकारी साड़ी

किसी भी शादी फक्शन में रेड कलर काफी अच्छा लगता है। इसलिए आप रेड कलर चिकनकारी साड़ी शादी में वियर करें। ट्रेडिशनल पाने के लिए लखनवी चिकनकारी साडियां सबसे बेस्ट है। इस साड़ी को पहनकर आप एकदम हटके लगेंगी और सबकी निगाहें आप पर रहेंगी। यह साड़ी हैवी के साथ-साथ रॉयल लुक भी प्रदान करती है। अगर किसी की हाल ही में शादी हुई है तो आप इसे वियर कर सकती है। बाजार में इस तरह की साड़ी 1000 से 3000 रुपये तक आपको मिल जाएगी।

ग्रीन कलर लखनवी फ्रील साड़ी

फ्रील साड़ी का ट्रेड एक बार फिर से आ गया है, हर किसी को इस तरह की साड़ी पहनना काफी पसंद होता है। इस बार शादी फक्शन में आप ग्रीन कलर लखनवी चिकनकारी साड़ी पहन सकते हैं। इसमें आपको पल्ले और नीचे की प्लीट्स पर डिजाइन मिलेगा। इसे आप स्कर्ट स्टाइल में भी वियर कर सकती हैं। यह साड़ी बाजार में 1000 से 2000 रुपये तक मिल जाएगी।

ब्लू कलर लखनवी साड़ी

अगर आपको हैवी स्टाइल वर्क में साड़ी पसंद हैं तो आप ब्लू कलर साड़ी को पहन सकती हैँ। इसमे आपको दोनों कलर के कॉन्ट्रस्ट कलर मिल जाएंगे। जिसे आप शादी में वियर कर सकती हैं। इसमें आपको पल्ले के साथ-साथ पूरी साड़ी में डिजाइन मिलेगा। बाजार में इस तरह की साड़ी आपको 2000 से 2500 रुपये में आराम से मिल जाएगी।

फ्लॉलेस मेकअप लुक के लिए फॉलो करें ये टिप्स, आएगा नेचुरल निखार और दिखेंगी खूबसूरत

मेकअप आपको पूरे दिन तरोताजा रखने में अहम रोल निभाता है। चाहे ऑफिस में हों या बाहर जाते समय मेकअप लुक में निखार लाना बेहद जरूरी है। परफेक्ट मेकअप लुक एक सहज और बहतरीन फिनिश प्राप्त करता है जो आपके आत्मविश्वास और सुंदर महसूस कराता है। हालांकि, फ्लॉलेस मेकअप लुक पाना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर यदि आप सही तकनीक नहीं जानते हैं या सही उत्पादों का उपयोग नहीं करते हैं। लेकिन अब चिंता मत करो! यहां आपके फ्लॉलेस मेकअप लुक को निखारने के लिए कुछ आसान टिप्स दिए गए हैं। वहीं महिलाएं मेकअप का चुनाव करते समय कपड़ो के साथ-साथ स्किन का विशेष ख्याल रखें।

फेयर स्किन के लिए मेकअप टिप्स

फेयर स्किन टोन वाली महिलाओं को वेज पिंक टिंट वाला फाउंडेशन सलेक्ट करना चाहिए। अगर आपका कॉम्प्लेक्शन यालोइश है तो आप वेज और ओरेंज अंडरटोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकते है। फेयर स्किन पर आइब्रो के लिए ब्लैक की जगह ब्राउन रंग की आइब्रो पेंसिल ज्यादा बेहतर है। ब्लैक आईलाइनर के साथ ब्राउन आईशैडो का इस्तेमाल करें। फेयर स्किन टोन वालों को गालों पर पिंक या रेज ब्लश का इस्तेमाल करना चाहिए। लाइट मेकअप पर पिंक या न्यूड लिपिस्टिक लगाएं।

डस्की स्किन के लिए मेकअप टिप्स

डस्की स्किन वाली लड़कियों को वर्म टोन वाला फाउंडेशन चूज करना चाहिए। कंसीलर के लिए केरेमल शेड ले सकती है, डार्क सर्कल छुपाने के लिए सही ढंग से कंसीलर का प्रयोग करें। फाउंडेशन को ब्यूटी ब्लेंडर की मदद से ब्लेंड करें। डस्की स्किन वाले लोग आंखों के लिए ब्राइट कलर के आईशैडो का इस्तेमाल करें, इससे आपकी हाइलाइट अच्छे से होगी। डस्की स्किन के लिए रेड, कॉफी ब्राउन और मूव कलर की लिपिस्टिक बढ़िया लगेगी।

सांवली स्किन के लिए मेकअप टिप्स

सांवली स्किन टोन वाली महिलाओं को ब्राउनिश शेड का फाउंडेशन का उपयोग करना चाहिए। सावले रंग पर ब्राउन रंग का ब्लश खूबसूरत लगता है। इसके साथ ही आप हाइलाइटर पाउडर का इस्तेमाल करें। आई मेकअप के लिए लाइट कलर यूज करें। स्मोकी आई लुक के लिए आप ब्लैक आईलाइनर को स्मज करके लगाएं और फिर हल्के ब्राउन रंग का आईशैडो लगाएं। सांवले रंग पर लिपिस्टिक के न्यूड शेड्स काफी परफेक्ट लगते हैं।

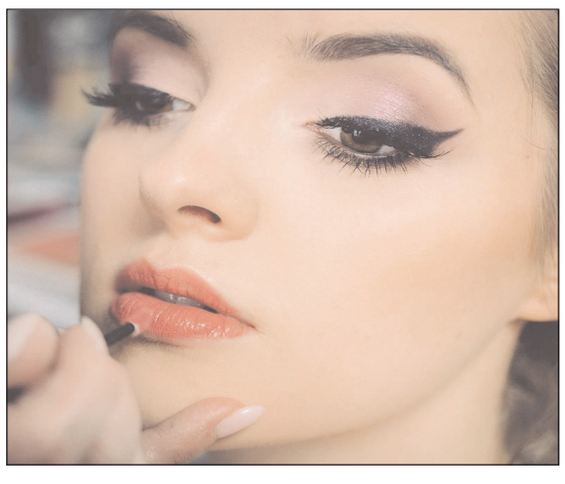

व्हाइटहेड्स को दूर करने में मदद करेंगे ये 5 घरेलू उपाय, स्किन होगी मुलायम

चेहरे पर व्हाइटहेड्स की समास्या से काफी लोग परेशान रहते है। ऑयली स्किन के कारण चेहरे पर व्हाइटहेड्स होनी की समास्या उत्पन्न होती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप घरेलू उपाय को इस्तेमाल कर सकते हैं इससे न तो कोई साईड इफ्केट भी नहीं होता है और त्वचा भी सॉफ्ट रहती है।

आइए समझें कि ये व्हाइटहेड्स आख़िर क्यों दिखाई देते हैं।

ब्लैक हेड्स के विपरीत, व्हाइटहेड्स काफी दर्दनाक होते हैं और इनसे छुटकारा पाना अधिक कठिन होता है। व्हाइटहेड्स छोटे-छोटे छाले होते हैं जो मृत त्वचा कोशिकाओं और गंदगी को फंसा लेते हैं। अगर समय पर ध्यान न दिया जाए तो ये न केवल देखने में भद्दे लगते हैं बल्कि समय के साथ-साथ बढ़ते भी जाते हैं। ऑयली स्किन की वजह से चेहरे पर व्हाइटहेड्स की समास्या दिखाई देने लगती है। इससे छुटकारा पाने के लिए महिलाएं कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करती है लेकिन आप प्राकृतिक और प्रभावी घरेलू उपचारों का भी सहारा ले सकते हैं जो आसानी से उपलब्ध हैं और किफायती भी हैं। आइए सबसे पहले समझें कि ये व्हाइटहेड्स आख़िर कैसे और क्यों दिखाई देते हैं।

व्हाइटहेड्स होने के कारण

व्हाइटहेड्स कई कारणों से हो सकते हैं। दरअसल, हार्मोनल परिवर्तन सबसे प्राकृतिक कारणों में से एक है। तैलीय या चेहरे पर शूट ने करने वाले मेकअप उत्पादों का उपयोग करना या अत्यधिक तैलीय त्वचा होना भी व्हाइटहेड्स के कुछ प्रमुख कारणों में से एक हो सकता है। कभी-कभी, गर्म और आर्द्र मौसम के कारण पसीना आ सकता है, जिससे आपकी त्वचा तैलीय हो सकती है और सफेद दाग हो सकते हैं। त्वचा की इन सभी समस्याओं का इलाज घरेलू उपाय से किया जा सकता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल में एंटी बैक्टीरियल गुण मौजूद होते है। यह व्हाइटहेड्स को रिमूव करने में काफी मददगर साबित होते हैं। कॉटन बॉल में टी ट्री ऑयल लेकर व्हाइटहेड्स पर लगाएं, यह दिन में दो बार अप्लाई कर सकते हैं। अच्छे रिजल्ट के लिए इसे आप रात को लगाएं इससे आपको काफी फायदा होगा।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर में एसिडिक गुण होते हैं, जो श्च॥ लेवल और ओपन पोर्स को मेंटेन रखता है। व्हाइटहेड्स से निजात पाने के लिए एप्पल साइडर विनेगर को पानी के साथ सेम मात्रा मिला लें। इसके बाद इसे रुई की मदद से चेहरे पर लगा लें और 20 मिनट तक इसे छोड दें। इसके बाद आप चेहरे को साफ क्लीन कर लें।

शहद और दालचीनी का फेस मास्क

इसे बनाने के लिए आप दालचीनी और शहद मिला कर पेस्ट बना लें। इसके बाद मास्क को 15-20 मिनट तक अप्लाई करें। फिर इसे पानी से साफ कर लें, इस मास्क से व्हाइटहेड्स दूर हो जाएंगे।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाएं जाते हैं, यह एकदम परफेक्ट है व्हाइटहेड्स को दूर करने में, इसे लगाने के लिए आप फ्रेश एलोवेरा लें और रात को एलोवेरा का गूदे से निकला जेल को चेहरे पर लगाकर सो जाएं। इससे आपको काफी फायदा मिलेगा।

बेकिंग सोडा पेक

बेकिंग सोडा एक शक्तिशाली घटक है जो त्वचा के पीएच स्तर को संतुलित करता है और व्हाइटहेड्स को भी ठीक करता है। आपको बस इतना करना है कि 3 चम्मच बेकिंग सोडा को पानी में मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इसे धीरे-धीरे चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद आप इसे गुनगुने पानी से धो सकते हैं। आपकी त्वचा नमीयुक्त और पोषित महसूस करेगी।

रोजाना घी लगाने से लंबे समय तक जवां बनी रहेगी स्किन, फेस पर आएगा गजब का ग्लो

हेल्दी और खूबसूरत स्किन पाने के लिए स्किन केयर का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि मौसम बदलने के साथ ही स्किन टेक्सचर भी बदलने लगता है। सर्दियों के मौसम में स्किन केयर का खास ख्याल रखना जरूरी होता है।

हेल्दी और खूबसूरत स्किन पाने के लिए स्किन केयर का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि मौसम बदलने के साथ ही स्किन टेक्सचर भी बदलने लगता है। सर्दियों के मौसम में स्किन केयर का खास ख्याल रखना जरूरी होता है। सर्दियों के मौसम में त्वचा की ड्राइनेस बढ़ जाती है। जिसके कारण स्किन खुरदरी होती है।

वहीं त्वचा को पोषण देना बेहद जरूरी होता है। वहीं सर्दियों के मौसम में फेस पर घी अप्लाई करने से कई फायदे होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फेस पर घी लगाने के तरीके और फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं।

खुदरी त्वचा पर इन चीजों का करें इस्तेमाल

गाय का घी

शहद

चेहरे पर शहद लगाने के फायदे

शहद चेहरे को नैचुरली एक्सफोलिएट करता है। यह फेस में मौजूद पोर्स को साफ करता है।

फेस की स्किन को मुलायम रखने में शहद काफी सहायक होता है।

फेस पर घी लगाने के फायदे

- फेस पर घी लगाने और मसाज करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। जिसकी वजह से त्वचा लंबे समय तक जवां बनी रहती है।
- घी लगाने से फेस का नेचुरल ग्लो बरकरार रहता है।
- साथ ही यह सही पोषण देकर स्किन को मॉइस्चराइज करने का काम करता है।
- खुदरी त्वचा के लिए घरेलु नुस्खे
- सबसे पहले घी को हल्का गुनगुना कर लें।
- फिर ठंडा होने पर इसमें आधा चम्मच शहद मिलाएं।
- शहद और घी को अच्छे से मिक्स कर फेस पर अप्लाई करें।
- इसको 20 मिनट तक फेस पर लगा रहने दें और फिर कॉटन और पानी की मदद से चेहरे को साफ कर लें।
- इस नुस्खे को रात के समय अपनाना चाहिए।
- फेस पर घी और शहद लगाने से आपको कुछ ही दिनों के अंदर बदलाव नजर आने लगेगा।

ऑयली स्किन से हो सकती है पिम्पल्स की समस्या

निजात पाने के लिए करें इन सुपरफूड का सेवन

गर्मियों में स्ट्रीट फूड और फ्राई की हुई चीजों का ज्यादा सेवन करने से सीबम के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है, जो पिम्पल का कारण बनता है। ऐसे में चलिए कुछ सुपरफूड्स के बारे में जानते हैं, जिनका सेवन करने से त्वचा पर तेल जमा नहीं होता और पिम्पल की समस्या से छुटकारा मिलता है।

गर्मियों के मौसम में ऑयली स्किन वाले लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना है, जिसमें पिम्पल्स की समस्या सबसे आम है। चिपचिपे मौसम में स्किन ज्यादा आयल का उत्पादन करती है। इसकी वजह से चेहरे पर पिम्पल्स हो जाते हैं। हालाँकि, पिम्पल की समस्या पूरी तरह से मौसम से जुडी हुई नहीं है। इस समस्या का आधा संबंध गर्मियों के ली जाने वाली डाइट से भी होता है। खाने और त्वचा का सीधे तौर पर संबंध है। आप जो कुछ भी खाते हैं उसका असर त्वचा पर दिखता है। गर्मियों में स्ट्रीट फूड और फ्राई की हुई चीजों का ज्यादा सेवन करने से सीबम के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है, जो पिम्पल का कारण बनता है। ऐसे में चलिए कुछ सुपरफूड्स के बारे में जानते हैं, जिनका सेवन करने से त्वचा पर तेल जमा नहीं होता और पिम्पल की समस्या से छुटकारा मिलता है।

खीरा-

खीरा पानी से भरपूर होता है और शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है। फिटोटेरेपिया जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में त्वचा पर खीरे के सकारात्मक प्रभावों को दिखाया गया है। अध्ययन के अनुसार, खीरे का सेवन करने से त्वचा साफ होती है। इसी के साथ ये त्वचा पर से विषाक्त पदार्थों और अशुद्धियों को हटाता है। ये त्वचा पर तेल जमा होने से रोकता है और पिम्पल की समस्या से निजात दिलाता है।

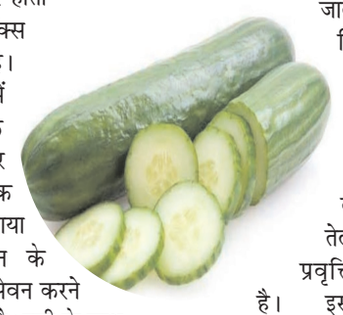

ब्रोकोली-

विटामिन ए और सी हमारी त्वचा के लिए फायदेमंद माने जाते हैं और ब्रोकोली इन दोनों विटामिन्स से भरपूर होती है। विटामिन्स के अलावा ब्रोकोली में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा पर अतिरिक्त तेल के उत्पादन को रोकता है, जिससे पिम्पल्स की समस्या नहीं होती है। ब्रोकोली को उबालकर खाने से फायदा होगा, इसे कच्चा खाने की गलती न करें।

नींबू-

गर्मियों में टैनिंग हटाने के लिए त्वचा पर नींबू का इस्तेमाल किया जाता है। नींबू न सिर्फ टैनिंग हटाता है बल्कि ये पिम्पल्स को रोकने में भी मदद करता है। दरअसल, नींबू में तेल सोखने की प्रवृत्ति होती है। इसलिए ऑयली स्किन से निजात पाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। नींबू का इस्तेमाल करने के दौरान ध्यान रखें इसे सीधे त्वचा पर नहीं लगाना है, किसी अन्य चीज के साथ मिलाकर इसका इस्तेमाल करें।

केला-

शरीर में पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम की कमी के कारण सीबम का अतिरिक्त उत्पादन हो सकता है। इसकी वजह से स्किन ऑयली हो जाती है। केला पोटेशियम, फास्फोरस और मैग्नीशियम की कमी दूर करता है। इसलिए गर्मियों में ऑयली स्किन से बचने के लिए इसे डाइट में शामिल करें। इसके अलावा केले में विटामिन ई भी होता है, जो एक प्राकृतिक सौंदर्य सीरम के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा केले के छिलको को पिम्पल पर रगड़ने से पिम्पल्स से छुटकारा मिलता है।

नारियल पानी-

गर्मियों में नारियल पानी का खूब सेवन किया जाता है। ये ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो हमारी त्वचा को पिम्पल्स से बचाने के लिए जरुरी होते हैं। इसके अलावा ये स्किन को हाइड्रेट करता है और उसके तेल संतुलन को बनाए रखता है, जिससे पिम्पल की समस्या नहीं होती है। इसलिए गर्मियों के महीनों में अपनी डाइट में नारियल पानी को जरूर शामिल करें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

राहुल को बड़ा झटका, मानहानी मामले में नहीं मिली राहत

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने 2018 में तत्कालीन बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ राहुल गांधी के बयान को लेकर केस खत्म करने की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। गवाही मामले में सिविल कोर्ट ने समन जारी किया था। मामले को खत्म करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। बीजेपी नेता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायती मामला दर्ज कराया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 18 मार्च 2018 को एआईसीसी प्लेनरी सत्र में राहुल गांधी ने बीजेपी के खिलाफ भाषण दिया था और अमित शाह को हत्या का आरोपी बताया था। न्यायालय के समक्ष प्रश्न यह थे कि क्या गांधी द्वारा दिए गए बयान विरोधी पक्ष संख्या 2 को वर्तमान शिकायत मामला दर्ज करने के लिए कार्रवाई का कारण बनेंगे क्योंकि यह उनके खिलाफ व्यक्तिगत क्षमता में नहीं बनाया गया था; क्या उपरोक्त बयान प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला बनेगा?

भाजपा में जाने की अटकलों पर कमलनाथ ने लगाया विराम!

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 23 फरवरी को कहा कि मध्य प्रदेश की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। उनका यह बयान उनके कांग्रेस पार्टी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने की अफवाहों के बीच आया है। कमलनाथ ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि मध्यप्रदेश की जनता और कांग्रेस के कार्यकर्ता राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की अगवानी के लिए उत्साहित हैं। अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ हम सबके नेता राहुल गांधी जी पूरे देश में सड़कों पर उतरकर एक निर्णायक लड़ाई का ऐलान कर चुके हैं। कमलनाथ ने आगे कहा कि मैं मध्यप्रदेश की जनता और कांग्रेस के जाँबाज़ कार्यकर्ताओं से आग्रह करता हूँ कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर राहुल गांधी जी का संबल और साहस बनें।

भाजपा का सेकुलर जमात पर बड़ा हमला

नई दिल्ली। भाजपा ने आरोप लगाया है कि देश के सेकुलर जमात द्वारा पूरे देश में सनातन धर्म के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु से लेकर केरल तक चल रहा है। पश्चिम बंगाल में हिंदू महिलाओं का धार्मिक आधार पर चुनाव करके उनका अपमान करना, कर्नाटक सरकार के द्वारा हिंदू मंदिरों पर टैक्स लगाना और मुस्लिम समुदाय को हज सब्सिडी प्रदान करना, तमिलनाडु में सनातन धर्म के विरोध में अपमानजनक बयानबाजी एक षड्यंत्र का हिस्सा है, जिसका हर स्तर पर विरोध किया जाना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि सेकुलर जमात एक सोची समझी साजिश के तहत पूरे देश में सनातन धर्म और संस्कृति के खिलाफ षड्यंत्र चला रहा है। यह रूप बदल-बदल कर हर जगह नए-नए रूप में सामने आ रहा है।

कांग्रेस ने एमएसपी के लिए संसद सत्र बुलाने की मांग की

नईदिल्ली। प्रदर्शनकारी किसानों और पुलिस बलों के बीच गतिरोध के बीच, कांग्रेस के लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र को फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून लाने के लिए संसद का एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए, जो विरोध प्रदर्शन की प्रमुख मांग है। पंजाब के आनंदपुर साहिब से सांसद तिवारी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एमएसपी पर कानून बनाने का वादा किए अब तीन साल हो गए हैं, लेकिन विफल रहे। उन्होंने कहा कि 2021 में जब सरकार ने काले कृषि कानून वापस लिए तो किसानों से वादा किया गया कि एमएसपी पर कानून लाया जाएगा। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि तब से तीन साल हो गए, कोई कानून नहीं लाया गया। मैं मांग करता हूं कि संसद का एक विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए और किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी देने वाला एक कानून पारित किया जाए।

शाहजहां शेख के खिलाफ ईडी ने नया मामला दर्ज किया

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय ने हिंसा प्रभावित संदेहशाखाली गांव में जमीन कब्जा करने के आरोप में टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की कई टीमों ने उनसे जुड़े स्थानों पर तलाशी ली। इससे एक दिन पहले संदेशखाली में फिर से तनाव फैल गया था, जब निवासियों के एक समूह ने ताजा विरोध प्रदर्शन किया था और कथित तौर पर एक मत्स्य पालन के अलाघर (गार्ड रूम) में आग लगा दी थी, जिसके बारे में उनका दावा था कि यह स्थानीय टीएमसी नेताओं द्वारा हड़पी गई जमीन पर बनाया गया था। घटना के बाद, प्रशासन ने संदेशखाली की पांच ग्राम पंचायतों के तहत नौ क्षेत्रों में सीआरपीसी धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। संदेशखाली 5 जनवरी से भाजपा-टीएमसी राजनीति के केंद्र में है, जब स्थानीय ताकतवर और टीएमसी नेता के घर पर तलाशी के दौरान प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमला किया गया था।

राहुल गांधी के नशे वाले बयान पर प्रधानमंत्री का पलटवार

जिनके होश ठिकाने नहीं वह काशी के युवाओं को नशेड़ी कह रहे : मोदी

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में थे। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र करखियांव में काशी शंकुल के उद्घाटन के मौके पर वाराणसी और पूर्वांचल के विकास की बातें की तो, राहुल गांधी के दो दिन पहले काशी के युवाओं के नशे में पड़े होने वाले बयान पर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि दशकों के परिवारवाद भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण ने यूपी को विकास में पीछे रखा है। पहले की सरकारों ने यूपी को बीमारू राज्य बनाया। यहां के नौजवानों से उनका भविष्य छीना। लेकिन आज जब यूपी बदल रहा है जब यूपी के नौजवान अपना नया भविष्य लिख रहे हैं तब यह परिवारवादी क्या कर रहे हैं। मैं तो उनकी बातें सुनकर हैरान हूं। कांग्रेस के शाही परिवार के युवराज काशी की धरती पर आकर कह रहे हैं कि यहां के नौजवान, यूपी के नौजवान नशेड़ी हैं। यह कैसी भाषा है भाई, मोदी को गाली देते रहते इन्होंने दो दशक बिता दिए। अब ईश्वर रूपी जनता जनार्दन पर, यूपी नौजवानों अपनी फ्रस्ट्रेशन निकल रहे हैं। वह यूपी के मेरे काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं।

पीएम ने यूपी की सभी सीटों पर जीत का किया आह्वान

पीएम मोदी ने विपक्ष पर हमला बोला और कहा कि यहां किसी की नहीं चलेगी। ये लोग नहीं जानते की काशी में सब गुरु हैं। गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि बनारस नहीं पूरे यूपी को पता है कि माल वही है पैकिंग नई है। इस बार तो इनको जमानत बचाने के लिए ही बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। आज पूरे देश का एक ही मूड है। अबकी बार मोदी की गारंटी वाली सरकार। हर लाभार्थी को शत प्रतिशत लाभ दे रहा है। मोदी लाभार्थियों के सेचुरेशन की गारंटी दे रहा है। यूपी ने भी सारी सीटें मोदी को देने का निर्णय किया है। इस बार यूपी शत-प्रतिशत सीटें एनडीए के नाम करने वाला है। मोदी का तीसरा कार्यकाल पूरी दुनिया में भारत के सामने सबसे प्रखंड कालखंड होने वाला है। सबसे प्रखर कालखंड होने वाला है।

कांग्रेस काशी अयोध्या का बदला स्वरूप नहीं देख सकती

पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष को काशी और अयोध्य का नया स्वरूप बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा है। वो अपने भाषणों में राम मंदिर को लेकर कैसी-कैसी बातें करते हैं। कैसी-कैसी बातों से हमले करते हैं। मैं नहीं जानता था कि कांग्रेस को प्रभु श्री राम से इतनी नफरत है। यह अपने परिवार और अपने वोट बैंक से बाहर देख ही नहीं सकते। हर चुनाव के दौरान के दौरान यह मिलते हैं और जैसे चुनाव बात निल बटे सन्नाटा आता है तो यह एक दूसरे को गाली देते हुए अलग हो जाते हैं।

विकसित भारत का निर्माण आत्मनिर्भर भारत से

पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण आत्मनिर्भर भारत के बल पर होगा। अपनी जरूरत का हर सामान बाहर से आयात करने से विकसित भारत नहीं बन सकता। पहले कि सरकार और हमारी सरकार की सोच में यही बड़ा अंतर है। आत्मनिर्भर भारत तभी होगा जब हर छोटी-छोटी शक्ति को जगाया जाए। जब छोटे किसानों, पशुपालकों कारीगरों शिल्पकारों लघु उद्योगों को फायदा होगा। इसीलिए मैं लोकल फॉर वोकल कहता हूं। मैं जब लोकल फॉर वोकल कहता हूं तो उन छोटे उद्योगों का प्रचार होता है जो लाखों रुपए खर्च करके अखबारों और टीवी पर विज्ञापन नहीं दे सकते हैं।

छोटे उद्यमी का एंबेस्डर मोदी है

पीएम ने कहा कि स्थानीय उत्पाद बनाने वाले ऐसे हर साथी का प्रचार मोदी खुद करता है। देश के हर छोटे किसान, हर छोटे उद्यमी का एंबेसडर आज मोदी है। जब मैं खादी खरीदता हूं, खादी पहनने का आग्रह करता हूं तो, गांव-गांव में खादी से जुड़ी बहनों, दलित, पिछड़ों के श्रम को बाजार से जोड़ता हूं। जब मैं देश बने खिलौने खरीदने की बात करता हूं तो, खिलौने बनाने वाले परिवारों का जीवन सुधरता है। जब मैं मेक इंडिया कहता हूं तो छोटे उद्योगी, एमएसएमई को बुलंदी देने का प्रयास करता हूं। जब मैं देखो अपना देश कहता हूं अपने देश में टूरिज्म को बढ़ावा देता हूं। इससे स्थानीय लोगों का रोजगार स्वरोजगार कैसे बढ़ता है, यह हम काशी में अनुभव कर रहे हैं। जब से विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण हुआ है, तब से करीब करीब 12 करोड़ से अधिक लोग काशी आ चुके हैं। इससे दुकानदार, ढाबे वाले, रेहड़ी, ठेले, रिक्शा, फूल वाले सब का रोजगार बढ़ा है।

काशी कचरे को कंचन बनाने के मामले में मॉडल बनी

प्रधानमंत्री ने कहा कि गोबरधन योजना के तहत गोबर और दूसरे कचरे से बायोगैस बनाई जा रही है। इससे साफ सफाई के साथ कचरे का पैसा मिलता है। काशी कचरे से कंचन बनाने के मामले में मॉडल बन गई है। आज एक और प्लांट का लोकार्पण हुआ है, जहां 600 टन कचरे को 200 टन चारकोल में बदला जाएगा। सरकार अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के साथ पशुपालकों को उर्वरक दाता बना रही है। पशुपालकों को दूध के अलावा गोबर से भी कमाई के अवसर दे रहे हैं। डेयरी प्लांट से बायो सीएनजी बने और इस प्रक्रिया में जैविक खाद कम दाम में किसानों को मिलेगी। इससे गंगा किनारे हो रही प्राकृतिक खेती को और बल मिलेगा।

जयराम रमेश का बड़ा आरोप

कांग्रेस को आर्थिक रूप से अपंग बना रही भाजपा और मोदी सरकार

नईदिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और मोदी सरकार कांग्रेस को आर्थिक रूप से अपंग बना रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर आर्थिक हमला कर, कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। जिस तरह से 2016 में नोटबंदी हुई थी, उसी तरह अब मोदी सरकार कांग्रेस के खिलाफ खाता बंदी अभियान चला रही है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हम डरने वाले नहीं हैं, हम इसका डटकर मुकाबला करेंगे। यह ब्लैकमेल की राजनीति है, हफ्तावसूली का प्रतीक है। जयराम रमेश ने कहा कि साल 2018-2023 के बीच करीब 30 निजी कंपनियों के खिलाफ एजेंसियों ने एक्शन लिया। फिर इन्हीं कंपनियों से पिछले चार साल में भाजपा को 335 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। ये हफ्ता वसूली है।

पिछले वर्षों में मिले दान पर क्या चर्चा के लिए तैयार है भाजपा

भाजपा को घेरते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि एगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो क्या भाजपा घटनाओं के क्रोनोलॉजी पर बिंदु-दर-बिंदु खंडन पेश करने को तैयार है। यदि आप तथ्यात्मक स्पष्टीकरण देने को तैयार नहीं हैं, तो क्या आप भाजपा के लिए चंदा लूटने के इन संदिग्ध सौदों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच के लिए खुद को पेश करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की जरूरत है। इससे पहले आयकर विभाग द्वारा एआईसीसी, भारतीय युवा कांग्रेस और एनएसयूआई खातों से 65.89 करोड़ रुपये काटे जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के बैंक खातों से पैसे चुरा रही है। राजनेता ने कहा कि जब कांग्रेस केंद्र में सत्तारूढ़ थी तो उसने कभी भी भाजपा के साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल मे कहा कि यह स्पष्ट रूप से भाजपा सरकार द्वारा कांग्रेस पार्टी पर थोपा गया वित्तीय आतंकवाद है। बैंकों से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, बीजेपी सरकार ने बैंकों को हमारी जमा राशि में से करीब 65.89 करोड़ रुपये सरकार को ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि यह रकम एआईसीसी, आईवाईसी और एनएसयूआई की है। भाजपा के विपरीत, हमने यह पैसा पार्टी के सामान्य कार्यकर्ताओं से हासिल किया। संसदीय चुनाव से ठीक पहले इसका क्या मतलब है? वे अनिवार्य रूप से बैंक से हमारा पैसा चुरा रहे हैं। इस मौके पर अजय माकन ने कहा कि मोदी सरकार और इनकम टैक्स के अधिकारियों ने कांग्रेस के बैंक खातों से 65.8 करोड़ रुपए चोरी कर लिए। इस मामले में हमने इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल में अर्जी थी, जिसमें 21 फरवरी को सुनवाई होनी थी। लेकिन सुनवाई से एक दिन पहले इनकम टैक्स के अफसरों ने बैंक शाखाओं में जाकर धमकी दी और डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से देकर 65.8 करोड़ वसूल लिए। माकन ने कहा कि राजनीतिक पार्टियां इनकम टैक्स से मुक्त होती हैं। क्योंकि पार्टी के पास जो पैसा आता है वह देश में लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए आता है, यह किसी भी प्रकार की आय नहीं है। क्या भाजपा ने कभी भी इनकम टैक्स दिया है? अगर कांग्रेस पार्टी से इनकम टैक्स लिया जा रहा है तो भाजपा से क्यों नहीं लिया जा रहा है।

खेल
प्रमुख समाचार

पहले दिन का खेल खत्म इंग्लैंड का स्कोर 302/7

रांची। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट का पहला दिन खत्म हो गया है। वहीं पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। इस टेस्ट मैच के पहले दिन इंग्लैंड ने सात विकेट खोए और 90 ओवर में 302 रन बना लिए जबकि 7 विकेट गंवा दिए हैं। इस दौरान जो रूट ने अपना 31वां टेस्ट शतक जड़ा है। रूट 106 और ओली रॉबिन्सन 31 रन बनाकर नाबाद हैं।

वहीं दिन का पहला सेशन पूरी तरह से भारतीय गेंदबाजों के नाम रहा। इंग्लैंड ने पहले सेशन में पांच विकेट गंवा दिए थे। वहीं दूसरे सेशल में इंग्लैंड ने बाजी मारी और 86 रन बनाए जबकि एक भी विकेट नहीं गंवाया। जबकि तीसरा सेशन दोनों टीमों का बराबर रहा। इस दौरान रूट अपना शतक पूरा करने में कामयाब रहे। भारत के लिए तीन विकेट डेब्यूटेंट आकाश दीप ने झटके, जबकि सिराज को दो और अश्विन और जडेजा को 1-1 की सफलता मिली। वहीं जो रूट ने पिछले तीन टेस्ट में 29, 2 , 5, 16, 18 , 7 रन बनाने वाले रूट ने संयम के साथ खेलते हुए पारी को संभाला। उन्होंने 15 पारियों में पहला शतक जड़ा जो उनके कैरियर का 31वां टेस्ट शतक है। उन्होंने जबर्दस्त संयम का परिचय देते हुए अपनी पारी में नौ चौके लगाये। पांच मैचों की सीरीज में इंग्लैंड 1-2 से पीछे है जिसे विशाखापत्तनम और राजकोट में पिछले दोनों टेस्ट में पराजय झेलनी पड़ी। इससे पहले आकाश ने दस गेंद के भीतर बेन डकेट (11), ओली पोप (0) और जाक क्रॉली (42) के विकेट चटकाये। उन्होंने 24 रन देकर तीन विकेट लिये जबकि रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा ने क्रमश: जॉनी बेयरस्टो और स्टोक्स को पगबाधा आउट किया। आकाश दीप ने दूसरे ही ओवर में क्रॉली का आफ स्टम्प उखाड़ दिया था लेकिन वह नो बॉल थी। नयी गेंद के उनके जोड़ीदार मोहम्मद सिराज लय के लिये जूझते दिखे जिन्हें खेलने में इंग्लैंड के बल्लेबाजों को परेशानी नहीं हुई।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार में मामूली गिरावट सेंसेक्स 15 अंक टूटा

नईदिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को शुरुआती सौदों में 22,298 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद, बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स ने दूसरे सत्र में आईटी और चुनिंदा फाइनैंशियल शेयरों में मुनाफावसूली के आगे घुटने टेक दिए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 15 अंक कमजोर हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 5 अंक की मामूली गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 15.44 अंक यानी 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 73,142.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,022.00 और 73,413.93 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 4.75 अंक यानी 0.02 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,212.70 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 22,186.10 और 22,297.50 के रेंज में कारोबार हुआ।

आदित्य एल-1 मिशन को मिली कामयाबी

नई दिल्ली। इसरो के सौर मिशन आदित्य एल1 को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल आदित्य एल1 पर लगे एक पेलोड के एडवांस्ड सेंसर ने सूर्य की सतह पर होने वाले कोरोनल मास इजेक्शन के प्रभाव को लेकर अहम खुलासा किया है। सेंसर से कोरोनल मास इजेक्शन के दौरान भारी संख्या में सौर पवन में इलेक्ट्रॉन और आयन की संख्या में जबरदस्त इजाफा देखा गया। जिस पेलोड के सेंसर्स ने यह पता लगाया है, वह प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य (पीएपीए) है। इसरो ने बताया कि पेलोड पीएपीए को पवन ऊर्जा इलेक्ट्रॉन और आयन की समीक्षा के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें दो सेंसर सोलर विंड इलेक्ट्रॉन एनर्जी प्रोब (SWEEP) और सोलर विंड आयन कंपोजिशन एनालाइजर लगे हैं। SWEEP सेंसर 10 eV से लेकर 3 KeV की रेंज के इलेक्ट्रॉन की गणना करता है।

2 लाख करोड़ के पार पहुंचा जियो फाइनेंशियल का मार्केट कैप

नईदिल्ली। शुक्रवार को पहली बार जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का मार्केट कैपिटलाइजेशन 2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। साल 2024 में अब तक कंपनी के शेयरों में 35 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई है। वहीं इसकी पैरेंट कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी आज 23 फरवरी को अपने रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए थे। शेयर बाजार में फिलहाल 39 कंपनियां ऐसी हैं जो कि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक के मार्केट कैप के साथ कारोबार कर रही हैं। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज 20.05 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ सबसे बड़ी कंपनी है। इसके बाद दूसरे नंबर है टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज 14.78 लाख करोड़ रुपये और तीसरे नंबप पर एचडीएफसी बैंक, 10.78 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप के साथ टॉप 3 में हैं।

भारतीय कंपनी आइडियाफोर्ज की अमेरिकी मार्केट में एंट्री

नईदिल्ली। भारतीय ड्रोन निर्माता कंपनी आईडियाफोर्ज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अंकित मेहता ने कहा कि भारत के ड्रोन उद्योग ने पिछले 10 वर्षों में बड़ी ''छलांग लगाई'' है और कोविड -19 वैश्विक महामारी के बाद इसमें तेजी आई है। भारतीय ड्रोन निर्माण कंपनी आइडियाफोर्ज अमेरिकी ड्रोन बाजार में ऐसे समय में प्रवेश कर रही है जब वहां चीन में बने ड्रोन को खरीदने को लेकर अनिच्छा है। मेहता ने कहा, मुझे लगता है कि वैश्विक महामारी से पहले ड्रोन के संबंध में नियम और कानून काफी सख्त थे। इससे पहले वे उपयोग तथा तैनाती के मामले में बहुत अधिक लचीलेपन की अनुमति नहीं देते थे।'' उन्होंने कहा, वैश्विक महामारी के बाद से प्रौद्योगिकी को अपनाने का रास्ता खुलाज अब लोग यथासंभव अधिक से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल करना चाहते हैं।

मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था

सतीश सिंह

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में श्वेत पत्र के माध्यम से यूपीए सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल की नाकामियों और मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को आम जनता के समक्ष रखा। पत्र में कहा गया है कि 2014 से पहले देश आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, जिससे अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में सरकार को बहुत ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी। वर्ष 1991 से आर्थिक सुधार का शुभारंभ हुआ था और विदेश व्यापार, कर सुधार, विदेशी निवेश आदि क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने के अनेक उपाय किये गये। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने में मदद मिली। वर्ष 2013 में वर्तमान मूल्य पर भारत की जीडीपी 1.8 ट्रिलियन डॉलर और 2007 में लगभग एक ट्रिलियन डॉलर की थी। जो 2014 में दो ट्रिलियन डॉलर और 2019 में तीन ट्रिलियन डॉलर की हो गयी। आज रियल जीडीपी के हिसाब से भी भारतीय अर्थव्यवस्था तीन ट्रिलियन डॉलर की हो गयी है। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2019 में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गयी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, भारत की जीडीपी वर्तमान मूल्य पर अभी 3.73 ट्रिलियन डॉलर की है, जबकि भारत जब स्वतंत्र हुआ था, तब उसकी जीडीपी 227 बिलियन डॉलर की थी। अमेरिका की जीडीपी अभी वर्तमान मूल्य पर 26.9 ट्रिलियन डॉलर की है और यह दुनिया में पहले स्थान पर है। वहीं, वर्तमान मूल्य पर 17.8 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ चीन दूसरे, 4.4 ट्रिलियन डॉलर के साथ जर्मनी तीसरे और 4.2 ट्रिलियन डॉलर की

जीडीपी के साथ जापान चौथे स्थान पर है। मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद बैंकिंग और आर्थिक क्षेत्र में कई सुधार किये। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का शुभारंभ, बैंकों का आपस में विलय, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, पीएम-स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, भारतीय दिवाला और शोधन अक्षमता कोड (आईबीसी) आदि का आगाज। 'द इंडियन इकोनॉमी: ए रिव्यू' रिपोर्ट में मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों के सफर को आर्थिक सुधारों के संदर्भ में बहुत अहम बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में नॉमिनल जीडीपी के सात प्रतिशत रहने की संभावना है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी के 7.3 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ने का अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट में यह संभावना भी जतायी गयी है कि भारत की जीडीपी 2030 तक सात प्रतिशत की दर से आगे बढ़ सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने भी भारत के वित्तीय क्षेत्र में आयी मजबूती और सरकार द्वारा किये गये हालिया संरचनात्मक सुधारों की वजह से सरकार के इस दावे की पुष्टि की है। एसएंडपी ग्लोबल ने अपनी ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 की रिपोर्ट 'न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक' में कहा है कि भारत की नॉमिनल जीडीपी 2022 में 3.5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2030 तक 7.3 ट्रिलियन डॉलर की हो जायेगी। 'द इंडियन इकनॉमी: ए रिव्यू' और एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था 2030 तक सात प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ सकती है, जबकि अभी अमेरिका में अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने की सालाना रफ्तार 1.58 प्रतिशत है, चीन की 6.3 प्रतिशत, जापान की 1.3 प्रतिशत और जर्मनी की 0.2 प्रतिशत है। ऐसे में 2027 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार पांच ट्रिलियन डॉलर और 2030 में सात ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक का हो जायेगा। किसी देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती को मापने के लिए परचेजिंग पावर पैरिटी (पीपीपी) पैमाने का भी उपयोग किया जाता है। इस संकल्पना के तहत दो देशों के बीच उत्पादकता और मनुष्य के रहने की गुणवत्ता की तुलना करने के लिए दो या उससे अधिक देशों की सेवाओं व उत्पादों के साथ वहां की मुद्राओं की खरीद क्षमता के बीच तुलना की जाती है, जिससे व्यक्ति की खरीदने की क्षमता का पता चलता है। पीपीपी के मामले में 2023 में भारत 13.119 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ शासन
हमने बनाया है
हम ही संवारेंगे

मोदी की गारंटी
विष्णु का सुशासन

हमारी आस्था और परंपरा का प्रतीक
रामोत्सव
राजिम कुंभ (कल्प)

(24 फरवरी से 8 मार्च 2024)

जीवनदायिनी महानदी, पैरी और सोंढूर के त्रिवेणी संगम पर स्थित प्राचीन नगरी राजिम में कुंभ कल्प महोत्सव का आयोजन

समस्त आगंतुक साधु- संतों का हार्दिक अभिनन्दन

रामोत्सव
राजिम कुंभ (कल्प)
2024

मुख्यमंत्री कार्यालय का व्हाट्सएप चैनल
सब्सक्राइब करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

• पर्व स्नान •

माघ पूर्णिमा -24 फरवरी, जानकी जयंती -4 मार्च, महाशिवरात्रि -8 मार्च

संवाद- 39773/135

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.